हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नक्सलियों के सामने मरो या सरेंडर करो की स्थिति, 10 हजार से अधिक जवानों ने की घेराबंदी

गुफा तक पहुंची फोर्स मौजूदगी के निशान मिले

टॉप मोस्ट नक्सलियों की मौजूदगी की खबर, इनमें हिड़मा, पापाराव, सुजाता जैसे दुर्दांत भी

लंबा खिंचेगा आपरेशन, नक्सलियों के पास एक महीने का राशन-पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नक्सलियों के खिलाफ पांचवें दिन भी करेंगुट्टा की पहाड़ी पर अभियान जारी रहा। फोर्स ने शिकंजा कस लिया है और वे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। फोर्स पहाड़ी के एक हिस्से में पहुंची जहां एक गुफा में उनकी मौजूदगी के निशान पाए गए। गुफा इतनी बड़ी है कि उसमें एक हजार लोग जमा हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि नक्सलियों के पास इस समय लगभग एक माह का रसद है। पानी की व्यवस्था भी है। नक्सलियों के सामने अब मरो या सरेंडर करो की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों का कहना है कि करेंगुट्टा की पहाड़ी पर सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) माड़वी हिड़मा के अलावा अन्य सीसीएम दामोदर, बंडी प्रकाश, आजाद, चन्द्रान्ना जे, ▶▶| शेष पेज 7 पर

आईईडी की चपेट में आने से 3 जवान घायल

ड्रोन से रखी जा रही नजर

नक्सलियों के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े अभियान में दस हजार से अधिक जवानों को तैनात किया गया है। इस अभियान में राज्य, केन्द्र सरकार, पुलिस मुख्यालय, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों/ पड़ोसी राज्यों की फोर्स के अलावा बस्तर रेंज में तैनात डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा, ▶▶| शेष पेज 7 पर

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

पंजाब 201/4 Vs कोलकाता 7/0

बारिश के कारण मैच रद्द

आज के मैच

मुंबई Vs लखनऊ
समय : दोपहर 3.30 बजे

बेंगलुरु Vs दिल्ली
समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, तीन की मौत

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर के देवबंद में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरी बिल्डिंग ढह गई। शवों के चीथड़े 100 से 150 मीटर दूर तक जा गिरे। धमाके की आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के समय ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई।

सीबीएसई परीक्षा रैकेट का भंडोफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीएसई की भर्ती परीक्षा में बैठने के लिए 28 वर्षीय एक व्यक्ति ने 'ब्लूटूथ डिवाइस' से लैस एक छद्म परीक्षार्थी को काम पर रखा। हालांकि, जब एक परीक्षा निरीक्षक ने दोनों के बीच बायोमेट्रिक डेटा बेमेल पाए तो दिल्ली पुलिस ने छद्म और मूल परीक्षार्थियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार करके योजना को नाकाम कर दिया। छद्म परीक्षार्थी सचिन (26), मूल परीक्षार्थी नितिन (28) और बिचौलियों बलजिंदर (27) व श्याम सुंदर (29) के रूप में हुई है।

वायुसेना अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बेंगलुरु शहर की पुलिस को 'रोड रेज' मामले में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया है। अधिकारी ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने 24 अप्रैल को यह अंतरिम निर्देश जारी किया।

भारत के एक्शन से घबराया पड़ोसी मुल्क, देशभर में पाकिस्तानी नागरिकों की तलाश

भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान के फूले हाथ-पांव

दबाव और दहशत

कश्मीर में आतंकी का घर जमींदोज

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के कड़े रुख से पाकिस्तान दबाव और दहशत में है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे पहलगाम अटैक की हर निष्पक्ष जांच में शामिल होने को तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। इधर, आतंकी हमले में शामिल लश्कर के सहयोगी संगठन टीआरएफ ने यू-टर्न लेते हुए हमले से इंकार कर दिया है।

पाक पीएम ने कहा- आतंकी हमले की 'तटस्थ-पारदर्शी' जांच को तैयार

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकवादी हमले की किसी भी 'तटस्थ और पारदर्शी' जांच में शामिल होने की शनिवार को पेशकश की। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर-पख्तूनख्वा के काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में सेना के कैडेट की 'पासिंग आउट परेड' को संबोधित करते हुए कहा, पहलगाम में हुई हालिया घटना इस निरंतर दोषारोपण के खेल का एक और उदाहरण है, जिसे पूरी तरह से बंद किया जाना चाहिए। एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भागीदारी करने के लिए तैयार है। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किये ▶▶| शेष पेज 7 पर

इधर, भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

सेना की गतिविधियों के सीधे प्रसारण से बचें

सरकार ने शनिवार को मीडिया से रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का सीधा प्रसारण करने से बचने को कहा। साथ ही कहा कि इस तरह की सूचना देने से जाने-अनजाने में शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर यह परामर्श जारी किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया मंचों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया ▶▶| शेष पेज 7 पर

क्यों घबरा रहा पाकिस्तान

छह आतंकियों के घर जमीदोज

जम्मू-कश्मीर में अब तक 6 आतंकवादियों के घर गिराए जा चुके हैं। सेना ने त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन लिया। शोपियां में टेररिस्ट शाहिद अहमद, त्राल में टेररिस्ट आसिफ शेख, अनंतनाग में टेररिस्ट आदिल ठोकेर, पुलवामा में टेररिस्ट हारिस अहमद और कुलगाम में टेररिस्ट जाकिर अहमद गनई का घर गिराया गया है।

एनआईए करेगी जांच

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब एनआईए इस मामले में औपचारिक रूप से केस दर्ज करके विस्तृत जांच करेगी। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीम पहले से ही पहलगाम में मौजूद थी और हमले के बाद मौके का निरीक्षण कर चुकी है। एजेंसी की फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर सबूत जुटाने में जुटी हुई है।

पाकिस्तान के रोल से किया इंकार

पाक रक्षामंत्री ने नक्सली हिंसा को बताया बगावत

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

देश-दुनिया में पहलगाम में आतंकी हिंसा को लेकर चर्चा चली रही है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा का जिक्र किया है। पाक रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि भारत के भीतर ही राज्यों में लोग सरकार के खिलाफ बगावत कर रहे हैं। इस बात को स्थापित करने के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ का नाम लिया, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का इशारा ▶▶| शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ के साथ नगालैंड का जिक्र

पाक रक्षा मंत्री ने कहा कि एक दो नहीं, दर्जनों के हिसाब से नागालैंड से लेकर कश्मीर तक और साउथ, छत्तीसगढ़, मणिपुर, इन सारी जगह पर हिंदुस्तान की जो दिल्ली में जो हुकूमत है, उसके खिलाफ बगावत हो रही है। लोग अपने हुकूक (अधिकार) मांग रहे हैं। ख्वाजा आगे कहते हैं- एक हिंदुत्व वाली गवर्नमेंट जो लोगों को एक्सप्लोइड कर रही है, माइनॉरिटी को जिसमें मुसलमान भी है क्रिश्चियन भी है बुद्धिस्ट भी है। जिस वजह से इस किस्म की एक्टिविटीज हो रही है। हमसे इसका ताल्लुक नहीं है। हम किसी भी सूरत में टेररिज्म को सपोर्ट नहीं करते।

पाकिस्तान के बचाव में कही यह बात

लोकल जंगों में आम लोग इस तरह से निशाना नहीं बनने चाहिए, इसमें कोई शक की कोई गुंजाइश नहीं है, लेकिन अगर कहीं पर जो फौज है या पुलिस है जो जुल्म ढा रही है वहां पर हिंदुस्तान में स्थानीय लोगों में जो अपने अधिकार मांग रहे हैं तो वो बगावत कर रहे हैं। हथियार उठा रहे हैं तो इसमें पाकिस्तान को इल्जाम लगाना तो बहुत आसान है।

मुख्य अभियंता सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर ले गई सीबीआई की टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सीबीआई की टीम 32 लाख की रिश्वत के मामले में रेलवे के मुख्य अभियंता विशाल आनंद, उनके भाई कुणाल आनंद, रिश्वत देने वाली कंपनी झांझरिया निर्माण लिमिटेड के एमडी सुशील झांझरिया और कर्मचारी मनोज पाठक को गिरफ्तार अपने साथ ले गई है। अब सीबीआई की रिपोर्ट के बाद ही मुख्य अभियंता और निजी कंपनी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों डिवीजन बिलासपुर, रायपुर और नागपुर में हजारों करोड़ रुपए का काम चल रहे हैं, जिसमें से बिलासपुर जोनल रेलवे स्टेशन में 392 करोड़ ▶▶| शेष पेज 7 पर

रिपोर्ट के बाद रेलवे करेगी आगे की कार्रवाई

सीई ने भाई से कहा था पैसे लेकर आएगा एक आदमी

सीबीआई को जांच में जानकारी मिली कि चीफ इंजीनियर विशाल आनंद ने सौदा तय करने के बाद यह शर्त रखी थी कि 32 लाख रुपए को उसके पैतृक निवास रांची में छोड़ना होगा। कंपनी इस पर तैयार हो गई। इधर आरोपी इंजीनियर ने अपने भाई कुणाल आनंद को पहले ही बता दिया था कि एक व्यक्ति पैसे लेकर आएगा।

टेंडर घोटाले पर सीबीआई की नजर

सीबीआई सूत्रों के अनुसार बिलासपुर रेलवे जोन में टेंडर में बड़े पैमाने पर घोटाला चल रहा है। इसकी जानकारी हाथ लगने पर सीबीआई अफसरों ने पहले झांझरिया निर्माण लिमिटेड को दिए गए रेलवे के प्रोजेक्ट्स की जानकारी जुटाई। इसमें पता चला कि ज्यादातर बड़े निर्माण कार्यों का ठेका इसी कंपनी को दिया गया है।

नाबालिग के ब्रेस्ट को छूना रेप की कोई 'कोशिश' नहीं

एजेंसी/कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि नशे में नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट छूने की कोशिश करना, प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस (पोक्सो) एक्ट के तहत रेप की कोशिश नहीं है। इसे गंभीर यौन उत्पीड़न की कोशिश माना जा सकता है। हम आरोपी को जमानत दे रहे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट का यह फैसला तब ▶▶| शेष पेज 7 पर

ट्रायल कोर्ट ने 12 साल की सजा सुनाई थी

ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 और आईपीसी की धारा 448/376(2)(सी)/511 के तहत दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उसे 12 साल जेल और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

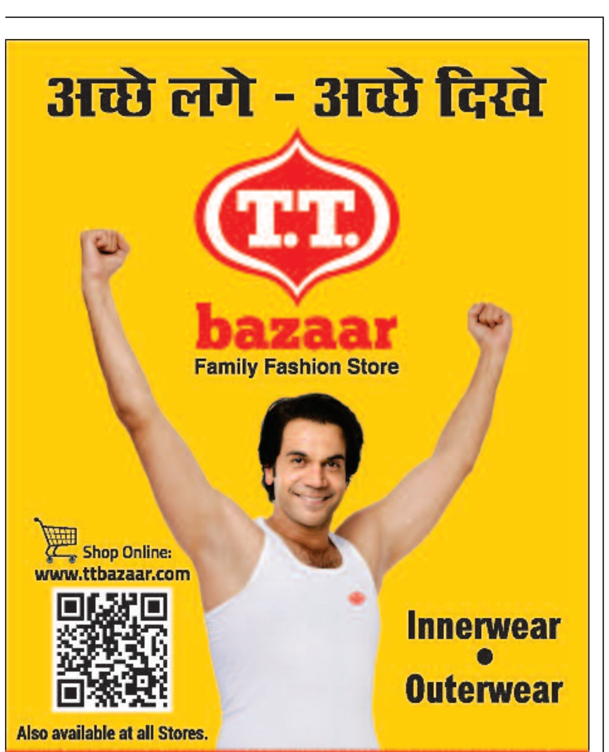

गिरफ्तार आरोपियों ने सिंडिकेट बनाकर घोटाले को अंजाम दिया

भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला में चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा राशि घोटाला में शुक्रवार को छापे की कार्रवाई के बाद ईओडब्लू, एसीबी ने घोटाला को अंजाम देने बनाए गए सिंडिकेट की चार अहम कड़ी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को ईओडब्लू की विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ करने एक मई तक पुलिस रिमांड हासिल ▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

भारतमाला में करोड़ों की हेराफेरी, दुर्ग, रायपुर समेत कई शहरों के 20 ठिकानों पर छापे

अन्य पर जल्द गिर सकती है गाज

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम घोटाले में शामिल अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर सकती है। गिरफ्तार ▶▶| शेष पेज 7 पर

इस तरह रही भूमिका

- *उमा, केदार तिवारी - दूसरे व्यक्ति की मुआवजा राशि दो करोड़ रुपए अवैध तरीके से प्राप्त करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।*
- *हरमीत सिंह खनूजा - उमा तिवारी के सहयोगी के रूप में अधिग्रहण का पैसा अवैध तरीके से प्राप्त करने तथा कई किसानों की मुआवजा राशि हड़पने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।*
- *कारोबारी विजय जैन - उमा तिवारी के सहयोगी के रूप में अधिग्रहण का पैसा अवैध तरीके से प्राप्त करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।*

Raheja Group
www.rahejagroup.co

Live Life Limitless!

Raheja AMBARA

PREMIUM RESIDENTIAL PLOTS

TIME: 10AM Onwards

LAST DAY to avail launch offer

ENTRANCE GATE

CLUB BUILDING

CLUB AMENITIES

- Swimming Pool
- Indoor Badminton Court
- Toddlers Play Area
- Indoor Games Area
- Banquet Hall
- Mini Theatre
- Well Equipped Gym
- Guest Room

OTHER FACILITIES

- Kids Play Area
- Temple
- Landscaped Gardens
- Open Gym

OUTDOOR SPORTS FACILITIES

- Lawn Tennis Court
- Basket Ball Court
- Pickle Ball Court
- Skating Rink

Member of CREDAI CHHATTISGARH

Behind Zora Mall, Pirda, Raipur
RERA NO. : PCGRERA310125001875 | RERA WEBSITE : www.rera.cgstate.gov.in

8225911300

Scan to locate

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सार्वजनिक स्थानों पर लाइट, मल्टी जीम सीसीरोड, पुलिया जैसे कार्य रहे प्राथमिकता में

सांसद रंजीत रंजन ने भी 14 करोड़ 47 लाख रुपए के 193 कार्यों को मंजूरी दी है। उनकी प्राथमकिता सार्वजनिक स्थानों पर लाइट, मल्टी जिम के अलावा सीसीरोड एवं पुलिया रहे हैं। उनके द्वारा स्वीकृत किए गए कार्यों के आकड़े बताते हैं कि उनके द्वारा करीब 70 से 80 सार्वजनिक स्थानों पर लाईट लगाने कार्य को ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

सांसद राजीव शुक्ला ने दो कार्यों में ही खर्च किए 5.70 करोड़, तुलसी ने 13.18 करोड़ में कराए 201, रंजन ने भी स्वीकृत किए 193 कार्य

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

राज्यसभा सांसदों से वैसे तो प्रदेशभर से जनता के हित एवं विकास कार्यों की मांग की जाती हैं। इसे देखते हुए सांसद भी प्रयासरत रहते हैं, कि वे सांसद निधि के बजट से ज्यादा से ज्यादा आवश्यक विकास कार्यों को मंजूरी दिला सकें। छत्तीसगढ़ में 5 राज्यसभा सांसद हैं। इनमें सांसद निधि की राशि ▶▶|शेष पेज 7 पर

- छत्तीसगढ़ में राज्यसभा सांसदों में कार्यों को स्वीकृति देने में केटीएस तुलसी सबसे आगे

स्कूल-छात्रावास में हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर सहित आईटी एवं पेयजल को प्राथमिकता

सांसद केटीएस तुलसी ने सांसद निधि से वैसे तो सड़क, तालाब निर्माण, बोरवेल, टयूबवेल, खेल मैदान सीसीरोड, सोलर स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक शौचालय सहित कई कार्यों को मंजूरी दी हैं, लेकिन सबसे ज्यादा फोकस उनका स्कूलों ▶▶|शेष पेज 7 पर

खर्च : 5.70 करोड़

राजीव शुक्ला

खर्च : 13.18 करोड़

केटीएस तुलसी

खर्च : 14.47 करोड़

रंजीत रंजन

सामुदायिक पेयजल संयंत्रों की स्थापना व सड़क निर्माण को प्राथमिकता

सांसद फुलोदेवी नेताम ने भी 154 कार्यों को मंजूरी दी है। उन्होंने सबसे ज्यादा प्राथमिकता सामुदायिक पेयजल संयंत्रों की स्थापना एवं सड़क निर्माण को दिया हैं। उनके पास सबसे ज्यादा सड़क ▶▶|शेष पेज 7 पर

कांकेर में कैसे बनेगी 2.50 करोड़ की लाइब्रेरी किसी को नहीं पता

कांकेर। राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला के सांसद निधि से अक्टूबर 2024 में एकलव्य विद्यालय भानुप्रतापपुर के छात्रावास में लाइब्रेरी के लिए ढाई करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे, परंतु इस राशि से किस तरह की लाइब्रेरी तैयार की गई है, उसकी हकीकत जानने के लिए आदिवासी विकास विभाग और विद्यालय के प्राचार्य से संपर्क किया, उनका कहना है कि इसके बारे में किसी भी तरह की जानकारी नहीं है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राज्यसभा के सांसद राजीव शुक्ला के सांसद कोटे ▶▶|शेष पेज 7 पर

जामुल कॉलेज परिसर में 2.70 करोड़ से बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी

भिलाई। नगर पालिका परिषद जामुल क्षेत्र में 2.70 करोड़ रुपए से डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। राज्य शासन ने इसके लिए वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस लाइब्रेरी का निर्माण डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय के पास किया जाएगा। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 10 हजार किताबों से इस लाइब्रेरी की शुरू की जाएगी, जहां देश-दुनिया की दुर्लभ से दुर्लभ किताबें ऑनलाइन पढ़ने के लिए उपलब्ध रहेंगी। दो महीने पहला पालिका ने इस प्रस्ताव को सामान्य सभा से पारित कर शासन को भेजा था, जहां से इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। डिजिटल लाइब्रेरी में कंप्यूटर से लेकर इंटरनेट सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। ▶▶|शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

हिमाचल में 'पाकिस्तान एयरलाइंस' लिखा गुब्बारा

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर जिले के करनेहरा गांव में शनिवार को 'पाकिस्तान एयरलाइंस' लिखा विमान के आकार का गुब्बारा मिला। स्थानीय लोगों ने गुब्बारे को देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने इसे जब्त कर लिया। हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक भगत सिंह ठाकुर ने कहा कि वह मामले की जांच कर रहे हैं।

ट्रक की टक्कर, एंबुलेंस सवार चार की मौत

मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले में छातो त्रिमुहानी ग्रामसभा के पास सोनभद्र से आ रहे एक ट्रक की चपेट में आने से एक एंबुलेंस में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक गर्भवती महिला थी। यह घटना अहरौरा थाना क्षेत्र में हुई। मृतकों की पहचान सूरज बली खरवार (27) हीरावती देवी (25) मालती देवी (40) और रामू (30) के रूप में हुई है।

3000 पन्नों का चालान, सप्लायर-अफसरों की सांठगांठ ने प्रक्रिया को बनाया मजाक

छह महीने की जगह 26 दिनों में मिला मोक्षित को 314 करोड़ का आर्डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

जिस रीएजेंट और उपकरण की खरीदी की प्रक्रिया 6 से 8 महीने में पूरी होती है उसकी खरीदी का आर्डर महज 26 दिनों के भीतर मोक्षित कार्पोरेशन को जारी कर दिया गया। स्वास्थ्य संचालनालय और दवा निगम के अधिकारी इस महाघोटाले को अंजाम देने के लिए कमीशन के लालच में मोक्षित के एमडी शशांक चोपड़ा के इशारे पर काम करते थे। मामले की जांच कर रहे ईओडब्लू की टीम ने 3 हजार पन्नों आरोपपत्र के साथ चालान न्यायालय में पेशकर दिया है। चालान में बताया गया है कि 5 अप्रैल तक 161 करोड़ रुपए के रीएजेंट एक्सपायर हो चुके हैं। प्रकरण में 71 लोगों को गवाह बनाया गया है। ईओडब्लू द्वारा पेश किए ▶▶|शेष पेज 7 पर

दवा निगम में घोटे का सिलसिला, तत्कालीन ... सहित पांच ... की ...

250 उपकरण लॉक

मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा सप्लाई किए गए उपकरणों में 215 को इंस्टाल ही नहीं किया गया। 789 उपकरण अक्रियाशील हैं यानी इनका उपयोग ही नहीं हो रहा है। वहीं 250 उपकरण जिसमें सीबीसी टेस्ट मशीन सहित अन्य शामिल है उसे मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा लॉक करा दिया गया है जिसे अब तक नहीं खोला जा सका है। इनमें 180 उपकरणों की खरीदी हमर लैब और शेष अन्य योजनाओं के माध्यम से की गई थी।

शशांक चोपड़ा के इशारे पर काम करते थे दवा निगम और स्वास्थ्य संचालनालय के अफसर

बजट ही नहीं था, फिर भी फर्जी एंट्री कर आर्डर

बजट की उपलब्धता की जानकारी और वित्तीय अधिकारी की सहमति के बिना केवल 26-27 दिनों में मोक्षित को 314. 81 करोड़ का आर्डर जारी कर दिया गया जिसकी प्रकिया 6 से 8 महीने में पूरी होनी थी। इसमें बाजार में डेढ़ से 2 रुपये में बिकने वाले ईडीटीए को 23.52 पैसे में खरीदकर शासन को 2 करोड़ का नुकसान पहुंचाया। 38.39 करोड़ की सीबीसी मशीन मोक्षित से बिना टेंडर स्पर्धा के खरीदी गई और 70 करोड़ का रीएजेंट सप्लाई कराया गया जिससे 37.0 करोड़ की क्षति हुई। चालान में इस बात का उल्लेख है कि मोक्षित कार्पोरेशन से आटोमैटिक एचबीएनसी ▶▶|शेष पेज 7 पर

जंगल में गए थे शिकार करने, भरमार की गोली लगने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के बिमलापुर जंगल में सूअर का शिकार करने गए ग्रामीणों द्वारा अपने ही एक साथी को गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार देर शाम की बताई जा रही है। भरमार बंदूक से चली गोली के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में हडकंप मच गया है। शनिवार को घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द करने के साथ ही हथियार को जब्त किया है। इसके ▶▶|शेष पेज 7 पर

- बलरामपुर जिले के डिंडो चौकी क्षेत्र की घटना

की जाएगी कार्रवाई

ग्रामीण अवैध शिकार के लिए जंगल में गए हुए थे। भरमार बंदूक की गोली लगने से युवक की मौत हुई है। फिलहाल इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

\- **वैभव बैंकर रमनलाल**, एसपी बलरामपुर

वीडियो वायरल, छह गिरफ्तार

अदालत के आदेश पर कब्जा दिलाने पहुंचे कर्मी को जमीन पर पटका, लात-घूसों से पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद कोर्ट के आदेश पर कब्जा दिलाने गए कर्मी पर जानलेवा हमला कर दिया गया। प्रकरण में पुलिस ने हमले करने वाले 6 लोगों को भेजा गया जेल। वहीं, कर्मी को बेरहमी से ▶▶|शेष पेज 7 पर

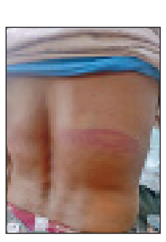

मामले में जांच जारी

थाना प्रभारी फैजुल शाह ने बताया कि रिपोर्ट पर से आरोपी मेघनाथ यादव, दिलेश्वरी यादव, चूलेश्वर यादव समेत कुल 6 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 221, 121(1), 132, 296, 351(2), और 191(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

गंभीर को धमकी आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और भाजपा के पूर्व सांसद गौतम गंभीर को धमकी भरे ईमेल भेजने के आरोप में इंजीनियरिंग के 21 वर्षीय छात्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान गुजरात के जिग्नेशसिंह परमार के रूप में हुई है और उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

हेरोइन, ब्राउन शुगर जब्त, दो गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में दो लोगों से 'ब्राउन शुगर' और हेरोइन समेत कई मादक पदार्थ जब्त किए गए। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लिलोंग हाओरीबी इलाके के वांगमायुम बारुल आलम के घर तलाशी अभियान के दौरान ये मादक पदार्थ जब्त किए गए।

प्रतिबंधित संगठनों के चार सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में दो प्रतिबंधित संगठनों के चार सदस्यों को इंफाल पूर्वी और इंफाल पश्चिम जिलों से गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों की पहचान खोंगबंताबम समरजीत मेइती और एलंगबाम लंगबा मेइती के रूप में हुई है। वे जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे।

“कहते है कि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता उसकी सड़कों से होकर गुजरता है। एक्सप्रेसवे, हाईवे किसी भी देश के लिए प्रगति और विकास का रास्ता खोलती है। भारत समेत दुनियाभर के देशों में सड़कों का नेटवर्क फैला है।”

एक बार चढ़े तो पार कर लेंगे 14 देश, दुनिया की सबसे लंबी सड़क का सफर

भारत में कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने के लिए सबसे लंबा हाईवे एनएच 44 है। 3,745 किमी लंबा ये हाईवे देश के दो छोर को आपस में जोड़ता है, लेकिन आज जिस सड़क की बात हम करने जा रहे हैं, वो किसी एक देश को नहीं बल्कि 14 देशों से होकर गुजरता है। पैन-अमेरिकन हाईवे पर डेरियन गैप नाम का एक खतरनाक हिस्सा है।

14 देशों को जोड़ने वाली सबसे लंबी सड़क

सन् 1923 में बने इस हाईवे बनाने का मकसद उत्तर, मध्य और दक्षिण अमेरिका के राज्यों को जोड़ना था। पैन-अमेरिकन हाईवे मेक्सिको, ग्वाटेमाला, एल साल्वाडोर, होंडुरस, निकारागुआ, कोस्टा रिका उत्तरी अमेरिका के पनामा, कोलंबिया, इक्वेडोर, पेरू, चिली और अर्जेंटीना होते हुए दक्षिण अमेरिका तक पहुंचता है। 30 हजार किमी लंबे इस हाईवे पर चलना आसान नहीं है।

30 हजार किमी लंबे इस हाईवे पर चलना आसान नहीं

60 दिन का लंबा सफर

रास्ते में आपको अलग-अलग मौसम, अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। इस सफर को पूरा करने में लोगों को 60 दिन का वक्त लग जाता है। हालांकि ये पूरी तरह आपकी गाड़ी की स्पीड पर निर्भर करता है। कालोरस सांतांमारिया नाम के एक शख्स ने इस रास्ते को 117 दिन में पूरा किया था। इस हाईवे पर यात्रा करना बेहद रोमांचक है, इस हाईवे पर गाड़ी चलाने वाले को हर तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। रास्ते में जंगलों, पहाड़ों, रेगिस्तान और ग्लेशियरों आदि सभी जगह से गुजरती है।

दुनिया की सबसे लंबी सड़क

दुनिया की सबसे लंबी सड़क का खिताब पैन-अमेरिकन हाईवे के नाम पर है। पैन-अमेरिकन हाईवे दुनिया का सबसे लंबा हाईवे हैं। अपनी लंबाई की वजह से इस हाईवे का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। नॉर्थ अमेरिका से शुरू 14 देशों को पार करते हुए यह हाईवे साउथ अमेरिका के अर्जेंटीना तक जाता है। कहीं घने जंगल तो कहीं रेगिस्तान, कहीं बर्फीले मैदान तो कई पहाड़ों से होकर गुजरता ये हाईवे दुनिया की सबसे लंबी सड़क है।

रास्ते में चुनौतियां अनेक

अगर आप इस रास्ते पर जा रहे हैं तो महीनों की तैयारियां अपने साथ लेकर चलें। इस रास्ते पर मैकैनिक की मदद मिलने में आपको काफी वक्त लग सकता है, ऐसे में बेहतर है कि व्हीकल के लिए जरूरी टूल अपने साथ लेकर चलें, ताकि अगर कहीं गाड़ी पंचर हो जाए तो आप उसे खुद ठीक कर सकें। खाने-पीने का इंतजाम भी करके चले। हालांकि फ्यूल सेंटर कई जगहों पर बनाए गए हैं। 14 देशों से गुजरने वाली इस रास्ते पर गुजरते वक्त आपको कई अलग-अलग मौसमों से दो-चार होना पड़ सकता है, ऐसे में मौसम के मुताबिक अपने कपड़ों की तैयारी कर लें। पैन-अमेरिकन हाईवे पर डेरियन गैप नाम का एक खतरनाक हिस्सा है।

रोचक खबरें

भारत का सबसे खूबसूरत शहर, सफाई में भी है नबंर-1, बन रहा लोगों की पहली पसंद

भारत का हर एक शहर हर एक गांव अपनी अलग खासियत के लिए पूरे देश भर में प्रसिद्ध है। यहां का खान-पान, पहनावा-उढ़ावा, स्थानीय बोलचाल की भाषा, परंपरा, सांस्कृतिक, विरासत और इतिहास इन्हें बाकी सभी जगह से अलग बनाता है। पूरब से लेकर पश्चिम तक उत्तर से लेकर दक्षिण तक हर कोने में स्थित शहर और गांव में आपको अलग-अलग संस्कृति देखने को मिलेगी।

प्रधानमंत्री कर चुके हैं पुरस्कृत : दरअसल, हम जिस शहर की बात कर रहे हैं, वह मध्य प्रदेश में स्थित है, जो कि बहुत ही ज्यादा खूबसूरत और साफ है। यहां खाने के साथ-साथ आपको घूमने के लिए भी कई सारे ऑप्शंस मिल जाएंगे। इस शहर को प्रधानमंत्री देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में भी पुरस्कृत कर चुके हैं। यहां सरकार के साथ-साथ आम जनता भी सफाई का विशेष ध्यान रखती है और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

इंदौर : मिनी मुंबई के नाम से है प्रसिद्ध : इस शहर का नाम इंदौर है, जिसे कई बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिल चुका है। इस देश का सबसे खूबसूरत शहर में से एक माना जाता है। यहां पर खूबसूरत बाजार से लेकर स्ट्रीट फूड स्टॉल, मंदिर, वॉटरफॉल और वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी है।

सदियों पुराना है इतिहास

प्राकृतिक सुंदरता से भरे इस शहर में 2 नदियों का संगम भी होता है। जिसका नाम खान और सरस्वती नदी है। इसके अलावा, यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है। इसका इतिहास भी काफी पुराना है, जिसका नाम भगवान इंद्रेश्वर के नाम पर रखा गया है। यह शहर सफाई और सुंदरता के अलावा शिल्प उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर हाथ ब्लॉक, छपाई, टाई एंड डाई, जूट उद्योग और जड़ी का काम किया जाता है। यहां आपको फैशन के मामले में कोई चीज की कमी नहीं देखने को मिलेगी। यहां एक-से-बढ़कर-एक मार्केट है। खानपान भी तरह-तरह के हैं।

इंडोनेशिया में मौजूद है समुद्र मंथन का अमृत कलश, हजारों साल से भरा है द्रव्य

दुनिया में एक से बढ़कर एक और आश्चर्य कर देने वाली चीजें और जगह मौजूद है। कई जगह ऐसी है जो अपने अंदर इतिहास और अद्भुत संस्कृति को समेटे हुए हैं। कुछ स्थानों से अद्भुत और रोचक मान्यताएं जुड़ी हुई है जिन पर लोगों का गहरा विश्वास है। समुद्र मंथन सनातन हिंदू संस्कृति की एक ऐसी पौराणिक कथा है जिसका वर्णन कई वेद और पुराणों में किया गया है। जी हां, इंडोनेशिया में एक ऐसा मंदिर स्थित है जहां समुद्र मंथन से निकले कलश के होने का दावा किया जाता है।

समुद्र मंथन से निकलीं थीं ये वस्तुएं

अब तक समुद्र मंथन की जो कहानी सभी ने सुनी है उसमें यही बताया जाता है कि देवता, रत्न, अमृत और कई सारी वस्तुएं समुद्र मंथन से ही निकली थी और इस से निकले हुए विश को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर लिया था। इसके अलावा अमृत कलश को लेकर देवताओं और राक्षसों में जो युद्ध हुआ उसके बारे में भी आप सभी ने सुना ही होगा। आज हम आपको इसी अमृत कलश से जुड़ी एक ऐसी जगह के बारे में बताते हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि यह कलश इस मंदिर में मौजूद है।

316 साल पुराने स्पेनिश जहाज के खजाने की खोज करेगी कोलंबिया सरकार

कोलंबिया सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें बताया गया है कि वे 316 साल पहले कोलम्बियाई कैरेबियन (एटलांटिक महासागर) में डूबे स्पेनिश जहाज सैन होजे के मलबे और खजाने की खोज (एक्सप्लोरेशन) में फिर से जुटेंगे। दरअसल इसके के लिए सरकार ने एक नौसेना जहाज के रोबोट को समुद्र में भेजने का निर्णय लिया है।

रोबोट को भेजा जाएगा समुद्र में : जानकारी के अनुसार सालों पहले डूबे स्पेनिश जहाज के बारे में यह रोबोट जानकारी इकट्ठा करने का कार्य करेगा। वहीं इस दौरान, रोबोट मलबे के कुछ हिस्से को बाहर निकालेगा और जांचेगा कि सालों बाद पानी के बाहर निकलने पर मलबे में कैसे बदलाव आते हैं। जानकारी में बताया गया की इसके साथ ही, ईद दौरान इस बात की भी जांच की जाएगी की जहाज के बाकी मलबे को किस तरह बाहर निकाला जा सकता है। जानकारी के अनुसार अंदर जाने वाले रोबोट में कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यह जहाज से जुड़ा रिकॉर्ड इकट्ठा कर सकेगा। इसके अलावा, रोबोट को सैटेलाइट से भी कनेक्ट करने की योजना बनाई गई है। अधिक जानकारी में सामने आया है की कोलंबिया सरकार इस अभियान के लिए इस साल करीब 37 करोड़ रुपए खर्च करने का विचार कर रही है। वहीं इस मिशन को 2024 के सेकेंड हाफ में शुरू किया जा सकता है। दरअसल इस दौरान इस रोबोट को किस क्षेत्र में उतारा जाएगा, इसकी जानकारी को सरकार द्वारा सीक्रेट ही रखा जाएगा। आपको बता दें की ऐसा माना जाता है कि डूबने से पहले सैन होजे जहाज पर सोने-चांदी सहित करीब 1 लाख 66 हजार करोड़ डॉलर का 200 टन का खजाना लदा हुआ था।

खासियत

भारत का सबसे बड़ा मार्केट, भारत की सबसे बड़ी मेट्रो नेटवर्क इसी शहर में

इस जिले को कहते हैं छोटी दिल्ली लोग जीते हैं लग्जरी लाइफ स्टाइल

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत का हर एक जिला, शहर और गांव अलग-अलग महत्व व इतिहास के लिए जाना जाता है। इनकी खासियत पूरी दुनिया भर में गूंजती है। देश की राजधानी दिल्ली भी अपने आप में ऐतिहासिक शहर है, जहां रेलवे स्टेशन से लेकर मेट्रो कैब से लेकर बड़ी-बड़ी कंपनी लोगों के रहने और जीने खाने का सहारा है। यहां एक से बढ़कर एक लग्जरी और सस्ते मार्केट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, भारत का सबसे बड़ा मार्केट, भारत का सबसे सस्ता मार्केट, भारत की सबसे बड़ी मेट्रो नेटवर्क इसी शहर में मौजूद हैं। क्या आप जानते हैं कि भारत में एक शहर छोटी दिल्ली के नाम से भी मशहूर है।

जाना जाता है गेट वे टू यूपी के नाम से

दिल्ली से सटे होने के कारण इसे गेटवे टू यूपी भी कहा जाता है। यहां एक तरफ इंडस्ट्रियल एरिया है, तो दूसरी तरफ इंदिरापुरम जैसे हाई राइस सोसायटी कॉलोनी स्थित है। यहां से थोड़ा आगे जाने पर नर और खेत खलियान देखने को मिलेंगे। इस शहर की स्थापना वजीर गाजीउद्दीन ने की थी। जिस कारण इस शहर का नाम गाजियाबाद रखा गया। इतिहास की बात करें तो यहां मुगल बादशाह अहमद शाह का शासन था। बहुत साल पहले यह मेरठ का हिस्सा हुआ करता था। 14 नवंबर 1976 को तत्कालीन मुख्यमंत्री एनडी तिवारी ने अलग जिला घोषित कर दिया। यहां आपको मुगल शासन की झलक भी देखने को मिलेगी।

बड़ी दिल्ली से कुछ कम नहीं है छोटी दिल्ली

भारत में स्थित यह जिला सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर में देश की राजधानी से कम नहीं है। इसलिए इसे छोटी दिल्ली के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर्यटन में भी काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस जिले का नाम जानना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश का गाजियाबाद जिला

दरअसल, भारत में स्थित गाजियाबाद जिला को छोटी दिल्ली के रूप में जाना जाता है, जो कि दिल्ली की सीमा से ही सटा हुआ है और यह उत्तर प्रदेश में स्थित है। यहां दिल्ली की तरह ही तमाम सुविधाएं लोगों को मिलती है। यहां पर बड़े से बड़ा बाजार और हाई राइजर बिल्डिंग है। इसलिए लोग इसे छोटी दिल्ली भी कहते हैं। यहां पर बहुत सारी कंपनियां मौजूद है। इसके अलावा, औद्योगिक क्षेत्र से हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। दिल्ली से बड़ी संख्या में लोग गाजियाबाद की तरफ रुख कर रहे हैं।

इस्कॉन और लक्ष्मी-नारायण के प्रसिद्ध मंदिर

यदि आपको कभी गाजियाबाद जाने का मौका मिले, तो आप यहां डासना गेट, दिल्ली गेट, जवाहर गेट और सिहरी गेट से अवश्य गुजरे, जहां आपको मुगल काल की याद आएगी। शहरों के बीचों बीच गजिउद्दीन की बहुत पुरानी हवेली है। हालांकि, वर्तमान में इसकी हालत बिल्कुल झज्जर हो चुकी है। इसके अलावा, आप यहां पर इस्कॉन मंदिर, शिप्रा मॉल, डिज्नीलैंड वाटर सिटी फॉरेस्ट के अलावा लक्ष्मी नारायण मंदिर घूम सकते हैं।

भारत का सबसे छोटा एयरपोर्ट, जो घर से भी है छोटा!

नई दिल्ली। भारत में यह एक ऐसी जगह है जहां विमान उतरते हैं और अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरते हैं। यह बाकी अन्य सभी संसाधनों से बहुत ही ज्यादा महंगा है, लेकिन इसमें सफर करने से लोगों के समय की बचत होती है। यह व्यापार के साथ-साथ इंटरनेशनल नेटवर्क को भी मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करता है। एयरपोर्ट पर लोगों को एक से बढ़कर एक अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। चेकिंग के लिए यहां 3 से 4 घंटे का समय लगता है। इसलिए यात्रा से इतने घंटे पहले लोगों को एयरपोर्ट आना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं जो कि भारत का सबसे अनोखा और छोटा एयरपोर्ट है।

भारत में हैं 153 एयरपोर्ट : भारत में डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों तरह की फ्लाइट मिलती है। शुरुआत से लेकर अभी तक बहुत सारे बदलाव हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में कुल 153 एयरपोर्ट वर्तमान में मौजूद है। जिनमें 118 घरेलू एयरपोर्ट और 35 इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इनमें से सबसे बड़ा एयरपोर्ट इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, जो कि दिल्ली में स्थित है।

मेघालय में है बलजेक एयरपोर्ट

दरअसल, इस एयरपोर्ट का नाम बलजेक एयरपोर्ट है, जो कि मेघालय में स्थित है। इसे तुरा एयरपोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। जिसकी लंबाई मात्र 1 किलोमीटर है, जिसका निर्माण 20 सीटर हवाई जहाज डॉर्नियर 228 के लिए हुआ था। साल 1983 में केंद्र सरकार के पास इस एयरपोर्ट को पूर्ण तरीके से बनाने का प्रस्ताव भी भेजा गया था। इसके बाद साल 1995 में बजट जारी हुआ। जिसके बाद यहां एयरपोर्ट बनाया गया और अब यह भारत का सबसे छोटा एयरपोर्ट का खिताब हासिल कर चुका है।

यह है दुनिया की सबसे खतरनाक झील, इसके पानी में जाते ही मूर्ति बन जाते हैं जानवर

बचपन में हम कई तरह की कहानियां सुनेते हैं जिसमें कभी ना कभी यह सुनने में भी आया होगा कि जीवित जानवर पत्थर के बन जाते हैं। इन कहानियों पर यकीन करना तो थोड़ा मुश्किल है। लेकिन जब हम आपको ये कहे कि ऐसा वाकई में होता है तो हैरान होना वाजिब से बात है।

आज हम आपको ऐसी जगह की जानकारी देते हैं जहां पर कहानियों में सुनी गई यह बात वाकई में सच होती है। एक ऐसी झील है जिसमें अगर कोई जानवर या पक्षी जाता है तो वह पत्थर का बन जाता है। यह खतरनाक झील मेडुसा लेक और जॉम्बी लेक के नाम से जानी जाती है। इसका नाम ग्रीक माइथॉलजी में दिए गए एक कैरेक्टर मेडुसा के ऊपर रखा गया है, जो बहुत डरावनी दिखती है।

ज्वालामुखी का लावा मिलता है नदी में

ज्वालामुखी से जो लावा निकलता है वह आकर इस झील के पानी में मिलता है और एल्कलाइन के लेवल को बढ़ाकर इस जगह को खतरनाक बना देता है। यह दुनिया में इकलौता ऐसा ज्वालामुखी है जिसके लावा में नेट्रोकार्बोनाइट निकलते हैं। इतना ही नहीं इस झील के पानी में कई ऐसे केमिकल मौजूद हैं जिनकी वजह से पशु पक्षियों की लाश सड़ने की की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और यह देखने में मूर्ति की तरह दिखाई देने लगते हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजा 1600 साल पुराना 'मोतियों का शहर'

संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक प्राचीन नगर की खोज की है। जानकारी के अनुसार यह नगर दुबई से लगभग 42 मील दूर बताया जा रहा है जो उत्तर-पूर्व में अल सिन्नियाह द्वीप पर स्थित है। वहीं इस खोज से पुरातत्व विभाग को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल इसे क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास के बारे ने नई जानकारी मिल सकती है।

'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया : दरअसल इस स्थान को 'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों के लिए लंबे समय अल सिन्नियाह द्वीप एक महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। वहीं पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां पर मिले बस्तियों के खंडहर और अवशेष चौथी शताब्दी के हैं, जो कम से कम 1600 साल पुराने हैं। इस महत्वपूर्ण खोज से इलाके के इतिहास के बारे में और नई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है। दरअसल अमेरिकी अखबार मियामी हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि इस स्थान से कई बड़े जार मिले हैं, जिन्हें मेसोपोटामिया से मंगाया गया था।

कीमती — छिलके जितने ज्यादा पुराने होंगे उतने ही महंगे बिकेंगे

पेड़ों पर उगता है 'सोना', छिलकों की कीमत में आ जाएगी चमचमाती गाड़ी

अगर आप कुछ लोगों से यह पूछेंगे कि दुनिया में सबसे कीमती चीज क्या है तो उनमें से ज्यादातर लोग यही कहेंगे कि सोना सबसे कीमती होता है, लेकिन सोने के अलावा भी कई ऐसी चीजें होती हैं जो उससे ज्यादा महंगी होती हैं।

आज हम आपको एक ऐसी ही चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अगर सोना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। दरअसल कुछ फल बेहद कीमती हैं इतने कीमती कि उनकी कीमत लोगों के होश उड़ा देती है। एक ऐसा ही फल है कीनू, जिसे चीन में कैंटोनीज के तौर पर पहचाना जाता है। हैरानी तो तब होती है जब यह पता चलता है कि इस फल की कीमत से ज्यादा इसके छिलकों की होती है। जी हां इस फल के सूखे हुए छिलके बहुत महंगे बिकते हैं। क्या आप जानते हैं कि चीन के एक शहर में पेड़ों पर 'सोना' उगता है? यहां के पुराने कीनू के छिलके 1 किलो में करीब 8 लाख रुपये तक बिकते हैं।

3 साल में होती है तैयार, चेपनी कहलाती है

रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि इस फल के सूखे छिलकों को 'चेपनी' कहा जाता है। हालांकि चेपनी के बन जाना भी इतना आसान नहीं है, क्योंकि इन्हें लगभग तीन वर्षों तक हर पतझड़ और ठंड के मौसम में धूप में सुखाना होता है। कहा जाता है कि ये छिलके जितने ज्यादा पुराने होंगे उतने ही महंगे बिकेंगे। उन्होंने बताया कि इसका इस्तेमाल स्वास्थ्य के अलावा खानों और शराब में भी किया जाता है।

इसी रिपोर्ट में इस फल के छिलकों की कीमत के बारे में भी बताया गया। 2023 में हांगकांग में 1968 में एक किलोग्राम सूखे कीनू के छिलकों की नीलामी 9646 अमेरिकी डॉलर में हुई थी। स्थानीय ने बताया कि 2023 में उन्होंने 100 बिलियन युआन (लगभग 13.8 बिलियन डॉलर) कमाए थे।

एक खास इलाके के फल ही होते हैं महंगे

एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी औषधीय जड़ी बूटी में पुराने टेंजेरीन या कीनू के छिलके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यहां के रहने वाले लोग कहते हैं कि यहां की मिट्टी और पानी की वजह से इन फलों के छिलकों में ज्यादा पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि इनकी पैदावार कई जगहों पर होती है लेकिन चीन के गआंग्डोंग राज्य के जियांगमैन के पूर्वी किनारे पर होने वाली फसल की ज्यादा कीमत बताई जाती है।

पुल पर बसा एक ऐसा गांव, घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे

गांव अपने आप में एक संस्कृति और विरासत है। यहां सभी लोग एक-दूसरे से मिलकर रहते हैं। गांव में चौपाल, पंचायत भवन, स्कूल, छोटे बाजार आदि होते हैं। यहां पर किसी जीवन जीने का मुख्य आधार है। यहां सभी त्योहार शादी विवाह आदि सब कुछ सामूहिक तौर पर मनाई जाती है। पहले गांव में शिक्षा और जागरूकता का अभाव था, लेकिन अब सरकार की योजनाओं के तहत इन सब चीजों में पहले से काफी ज्यादा सुधार हुआ है। हालांकि, अब इंसानों ने तरक्की कर ली है।

पुल पर बसा अनोखा गांव

कुछ टेक्निक्स को देखकर आंखों पर यकीन भी नहीं होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताएंगे, जो कि पुल पर बसा हुआ है। यहां पर घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे हुए हैं। इसे देखकर आपको काफी ज्यादा आश्चर्य होगा। यह गांव किसी अजूबा से काम नहीं है। अक्सर अपने देखा होगा कि पुल को पिलर्स पर तैयार किया जाता है, लेकिन चीन में एक ऐसा पुल है। जिस पर लोगों ने अपना घर बसा रखा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया एक पर वायरल हो रहा है।

वीडियो हुआ वायरल, पुल पर रंग-बिरंगे घर

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसे **@gunsnrosesgirl**3 ने अपने अकाउंट से शेयर किया है। जिसे अब तक तीन लाख लोग देख चुके हैं, जबकि हजारों लोग इसे लाइक कर चुके हैं। इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक छोटी सी नदी है। बड़े पिलर्स पर पुल बना हुआ है, जिस पर एक बस्ती बसी हुई है। रंग बिरंगे घरों से बस यह पुल काफी ज्यादा अनोखा लग रहा है। इस पुल पर पक्के घर बने हुए हैं, जिसमें तरह-तरह के कमेंट्स भी यूजर्स कर रहे हैं। यहां मार्केट भी नजर आ रहा है। मन में लोगों के प्रश्न यह भी उठ रहा है कि आखिर लोग घर से बाजारों की तरफ कैसे निकलते होंगे।

आतंक की ट्रेनिंग लेने स्टूडेंट वीजा पर पाक गया था आदिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल एक आतंकवादी आदिल अहमद ठोकर को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार आदिल 2018 में पाकिस्तान गया था। सूत्रों का कहना है कि वह छह साल बाद 3-4 आतंकियों के साथ वापस लौटा।

आदिल जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा के गुर्रे गांव का रहने वाला है। उसे पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड भी माना जा रहा है। सुरक्षाबल आदिल और उसके साथियों की तलाश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आदिल अहमद अनंतनाग जिले के गुर्रे गांव का रहने वाला है। वो 2018 में पढ़ाई के लिए पाकिस्तान गया था। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि आदिल के पाकिस्तान जाने से पहले ही उस पर कट्टरपंथी विचारधारा हावी थी। भारत छोड़ने से पहले ही वो सीमा पार से संचालित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों के संपर्क में था।

कई महीनों तक गायब रहा

पाकिस्तान पहुंचने के बाद आदिल अचानक गायब हो गया। उसने अपनि परिवार से भी बातचीत बंद कर दी। करीब आठ महीनों तक उससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं मिली। खुफिया एजेंसियों ने उसकी डिजिटल एक्टिविटी पर नजर रखी, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। आदिल के घर की भी निगरानी की गई, लेकिन एजेंसियों को कोई खास जानकारी हाथ नहीं लगी।

वापस लौटकर पहलगाम में बहाई खून की नदियां

छह साल पाकिस्तान में रहा है पहलगाम हमले का गुनहगार

पाकिस्तान में ली ट्रेनिंग

खुफिया सूत्रों के अनुसार, आदिल पाकिस्तान में कट्टरपंथी विचारधारा और मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहा था। वो पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स के प्रभाव में आ गया था। 2024 के अंत तक, आदिल अहमद ठोकर फिर से खुफिया जानकारी में सामने आया। लेकिन इस बार वह भारत के अंदर था। आदिल ने अक्टूबर 2024 में पुंछ-राजौरी सेक्टर के दुर्गम इलाके से नियंत्रण रेखा पार की। इस क्षेत्र में गश्त करना बहुत मुश्किल है। यहां खड़ी पहाड़ियां, घने जंगल हैं और सीमा का इस्तेमाल अवैध रूप से घुसपैठ के लिए किया जाता रहा है।

अपने साथियों से साथ हुआ भारत में दाखिल

आदिल के साथ तीन-चार लोगों का एक छोटा ग्रुप था। इनमें से एक पाकिस्तानी नागरिक हाशिम मूसा भी था, जिसे सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। वह पहलगाम आतंकी हमले का एक और मुख्य आरोपी है। अब यह माना जा रहा है कि मूसा को भारतीय क्षेत्र में लाने में आदिल का अहम रोल था। जम्मू और कश्मीर में घुसने के बाद आदिल ने किसी को पता नहीं चलने दिया। वह जंगलों और पहाड़ी रास्तों का इस्तेमाल करता रहा। उसे कुछ समय के लिए किश्तवाड़ में देखा गया था। फिर वह अनंतनाग चला गया।

कई दिनों तक अनंतनाग में छिपा रहा

आदिल अनंतनाग में कहीं छिप गया। उसने एक पाकिस्तानी नागरिक को भी शरण दी, जिसे वो अपने साथ लाया था। वह कई हफ्तों तक छिपा रहा। मार्च में जब बैरसन घाटी में पर्यटकों की आवाजाही फिर शुरू हुई तो आदिल और उसके साथियों को हमला करने का अच्छा मौका मिल गया। बता दें, पहलगाम हमले में आदिल और उसके आतंकी साथियों ने 26 पर्यटकों को धर्म पूछकर मौत के घाट उतारा था। मरने वालों में भारतीय नौसेना और आईबी के दो अफसर भी शामिल हैं।

खबर संक्षेप

गुंडागर्दी करने वालों को सबक सिखाना जरूरी : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में स्वामी विज्ञानानंद द्वारा लिखित पुस्तक 'द हिंदू मैनिफेस्टो' का विमोचन किया। उन्होंने पुस्तक की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि यह मैनिफेस्टो 'कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो' जैसा नहीं है। भागवत ने कहा कि कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो के बाद दुनिया ने क्या भोगा, यह सभी जानते हैं। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने पड़ोसी देश विशेषकर पाकिस्तान के संदर्भ में कहा कि हम कभी अपने पड़ोसियों का अपमान या हानि नहीं करते, लेकिन जब कोई आक्रामक होता है तो राजा का धर्म प्रजा की रक्षा करना होता है। राजा को अपना कर्तव्य निभाना ही पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज विश्व को एक नए मार्ग की आवश्यकता है। आरएसएस चीफ ने रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि जब सुधार संभव नहीं होता तो कठोर निर्णय लेना पड़ता है।

शुरू किया गया है व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान

22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में गई है 26 सैलानियों की जान

पहलगाम अटैक के बाद संदिग्धों से हो रही पूछताछ

आतंकवाद के खिलाफ बड़ा एक्शन अनंतनाग में हिरासत में 175 लोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में सेना, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया है। कड़ी सतर्कता के साथ दिन-रात तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों के तहत अनंतनाग जिले में विभिन्न स्थानों पर कई छापे मारे गए।

आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अब तक लगभग 175 संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। अनंतनाग पुलिस ने कहा कि हम किसी भी संभावित आतंकवादी की उपस्थिति को समाप्त करने और जिले को सुरक्षित करने के लिए, अपने साझेदार सुरक्षा बलों के साथ मिलकर घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रहे हैं। अनंतनाग पुलिस जिले में शांति बनाए रखने तथा सामान्य स्थिति को बाधित करने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि गत 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन मैदान में पर्यटकों पर गोलीबारी की थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी।

सेना के निशाने पर जम्मू कश्मीर के ये 14 आतंकी

खुफिया जांच एजेंसियों ने जम्मू कश्मीर के लोकल आतंकवादियों की एक लिस्ट तैयार की है। ये लोकल आतंकी पाकिस्तानी दहशतगर्दों की मदद करते हैं। वे उन्हें पनाह देते हैं और संसाधन भी मुहैया करते हैं। सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर 14 आतंकी हैं, जिनके नाम सामने आए हैं।

आतंकी नंबर-1 : आदिल रहमान देंतू, लश्कर-ए-तैयबा एलईटी का सोपोर का कमांडर है। साल 2021 से वह आतंकी गतिविधियों में शामिल है। वह सोपोर का डिस्ट्रिक्ट कमांडर भी है। जांच एजेंसियां इसकी तलाश कर रही हैं। पहलगाम हमले के बाद अब या तो ये मारा जाएगा या इसका घर जमींदोज किया जाएगा।

आतंकी नंबर-2 : जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का आतंकी आसिफ अहमद शेख अवंतीपुरा का जिला कमांडर भी है। साल 2022 से यह लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल है।

आतंकी नंबर- 3 : एहसान अहमद शेख पुलवामा में एक्टिव है और लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी है। यह साल 2023 से लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल है। सुरक्षा एजेंसियों को इसकी तलाश है।

आतंकी नंबर-4 : हरीश नजीर पुलवामा का आतंकी है और लश्कर-ए-तैयबा में एक्टिव आतंकी है। यह सुरक्षा बलों की रडार पर है।

आतंकी नंबर-5 : पुलवामा में एक्टिव आतंकी आमिर नजीर वानी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा हुआ है।

आतंकी नंबर-6 : जेईएम का आतंकी यावर अहमद भट्ट पुलवामा में पूरी तरीके से एक्टिव है।

अनंतनाग में शनिवार को तलाशी लेते हुए जवान

आतंकी नंबर-7 : आसिफ अहमद कंडे शोपियां का आतंकवादी है और जुलाई 2015 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी संगठन में शामिल हुआ है। इस वक्त यह एक्टिव आतंकी के रूप में काम कर रहा है और पाकिस्तानी आतंकवादियों की मदद कर रहा है।

आतंकी नंबर-8 : नसीर अहमद वानी शोपियां में लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। यह लश्कर-ए-तैयबा का एक्टिव सदस्य है और पाकिस्तानी आतंकियों का मददगार है।

आतंकी नंबर-9 : शाहिद अहमद कुटे भी शोपियां में एक्टिव है और लश्कर और TRF का बड़ा आतंकी है। यह साल 2023 से इस एरिया में एक्टिव है।

आतंकी नंबर-10 : आमिर अहमद डार एक लोकल आतंकवादी है। ये साल 2023 से शोपियां में एक्टिव है। यह लश्कर-ए-तैयबा और TRF के साथ मिलकर काम कर रहा है।

आतंकी नंबर- 11 : अदनान सफी डार, शोपियां जिले का एक्टिव आतंकवादी है। यह साल 2024 में आतंकी संगठन में शामिल हुआ. अभी लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ के साथ एक्टिव तौर पर काम कर रहा है।

आतंकी नंबर-12 : जुबेर अहमद वानी, हिजबुल मुजाहिद्दीन का अनंतनाग का ऑपरेशनल कमांडर है। ये A+ का एक्टिव आतंकी है। आतंकियों के मददगार के तौर पर बड़ा काम करता है। ये आतंकी साल 2018 से एक्टिव है।

आतंकी नंबर-13 : हारून रशीद गनी अनंतनाग का हिजबुल मुजाहिद्दीन का एक्टिव आतंकी है। कुछ साल पहले यह पाक अधिकृत कश्मीर भी गया था, जहां से इसको ट्रेनिंग मिली है। फिलहाल सुरक्षा बलों को इसकी तलाश है।

आतंकी नंबर-14 : जुबेर अहमद गनी, कुलगाम का बड़ा आतंकी है। लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होकर लगातार सुरक्षा बलों और टारगेटेड किलिंग में इस हाथ रहता है।

गुजरात में 1 हजार बांग्लादेशी गिरफ्तार

हरियाणा में 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश

देशभर में विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देशभर में विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। गुजरात के अहमदाबाद (890) और सूरत (134) में पुलिस ने शनिवार को महिलाओं और बच्चों सहित करीब एक हजार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया। वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उन्हें भारत से निकाला जाएगा। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, 'इनमें से कई लोग ड्रग्स और मानव तस्करी में शामिल हैं और हाल ही में गिरफ्तार किए गए चार बांग्लादेशियों में से दो अलकायदा के स्लीपर सेल में काम करते थे। इन बांग्लादेशियों की पृष्ठभूमि और गुजरात में उनकी गतिविधियों की जांच की जाएगी।

हरियाणा में भी बड़ा एक्शन

हरियाणा में राज्य सरकार ने 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश जारी किया है। अभी इन्हें हिरासत में लेने की कोई सूचना नहीं है। सीएम नायब सैनी ने पाकिस्तानियों को वापस भेजने के लिए गृह विभाग से प्लानिंग मांगी है। पंजाब के अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों के भारत से जाने का सिलसिला जारी है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 1 मई, 2025 तक भारत छोड़ने के लिए कहा है। भारत सरकार ने लॉन्ग टर्म वीजा, डिप्लोमेटिक और ऑफिशियल वीजा को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी तरह के वीजा रद्द कर दिए हैं। अब पाकिस्तानी हिंदू तीर्थयात्रियों को 27 अप्रैल तक भारत से जाना होगा।

ढाई लाख लोगों ने दी अंतिम विदाई...

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में विश्व नेताओं और कैथोलिक अनुयायियों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर शनिवार को उन्हें अंतिम विदाई दी। करीब 2,50,000 लोग प्रार्थना सभा में शामिल हुए। पोप फ्रांसिस का ताबूत शहर के दूसरी ओर स्थित सेंट मैरी मेजर बेसिलिका लाये जाने के दौरान रास्ते में हजारों लोग कतार में खड़े नजर आए। अंतिम संस्कार में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर मौजूद थे।

30 जून से शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से लोगों के बीच आक्रोश का माहौल है। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। इस बीच विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि इस साल कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन होगा।

30 जून से अगस्त तक इसका आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा बीते पांच सालों से बंद थी। इस यात्रा से भारत और चीन के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशों के रूप में देखा जा रहा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस साल जून से अगस्त 2025 के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन होगा। इच्छुक यात्रा कैलाश यात्रा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस साल यात्रा उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होगी। पांच और दस बैंचों का संचालन किया जाएगा। प्रत्येक बैच में 50 यात्री शामिल होंगे। यात्रियों का रैंडम सलेक्शन होगा। इसमें जेंडर बैलेंस का भी ध्यान रखा जाएगा।

सरकार ने किया ऐलान

चीन के साथ बनी सहमति

गलवान घाटी में भारत-चीन के साथ हुए संघर्ष के बाद अब दोनों देश के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। भारत और चीन के बीच संवाद के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया। कोरोना महामारी के दौरान यात्रा पर ब्रेक लग गई थी। जिसके बाद सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हुआ. हालांकि, भारत ने इस मुद्दे को लगातार चीन के साथ कूटनीतिक स्तर पर उठाया। 2019 के बाद यह पहली बार है जब मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होगी। बीते साल, अक्टूबर (2024) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। जिसके बाद सीमा तनाव घटा और यात्रा की दिशा में प्रगति हुई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में काफी आक्रोश है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि आतंकी हमले को अंजाम देने वाले व उसे प्रायोजित करने वाले को कड़ा सबक सिखाया जाय। सरकार ने इस दिशा में एक्शन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में जहां आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, वहीं सरकार पाकिस्तान के खिलाफ भी प्रतीकात्मक व क्रियात्मक एक्शन ले रही है। सिंधु जल संधि के निलंबन से लेकर पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं, उच्चायोग में कर्मियों की कटौती की गई है, अटारी व वाघा सीमा से ट्रेड बंद किए गए हैं, हालांकि ये पहले से ही बंद जैसे हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने हमलावर आतंकियों व इसके साजिशकर्ताओं को कल्पना से अधिक कड़ी सजा देने की बात कही है। आज इसकी जरूरत भी है। द रेजिसटेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम में आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है, टीआरएफ पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट लश्करे तैयबा की ही शाखा है, ऐसे में इस आतंकी हमले में भी पाकिस्तान के तार जुड़ रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर में पाक फौज व आईएसआई के कई आतंकी प्रशिक्षण ठिकाने हैं। पीछे सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक भी इसी क्षेत्र के आतंकी ठिकानों पर हुए थे। आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए भारत का पीओके पर कब्जा जरूरी है। टेरर के खिलाफ एक्शन पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

पीओके पर कब्जे से टूटेगी आतंक की कमर

कूटनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और परिपोषित जिहादी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में अंजाम दिया गया नृशंस हत्याकांड कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का ज्वलंत प्रश्न वस्तुतः एक बार फिर से राष्ट्रीय पटल पर आ गया है। इस नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? आखिरकार कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

कश्मीर के ज्वलंत प्रश्न पर भारत और पाक के मध्य चार भीषण युद्ध लड़े गए, जिनमें पाक फौज पराजित हुईं, किंतु कश्मीर विवाद यथास्थान खड़ा है। आक्रामक युद्धों में शिकस्त खाने के पश्चात पाक हुक्मरानों ने कश्मीर पर आधिपत्य स्थापित करने की खातिर जिहादी दहशतगर्दों के द्वारा प्राक्सी वार संचालित करने की रणनीति अख्तियार की। विगत 36 वर्षों से निरंतर जारी प्राक्सी वार द्वारा प्रदत्त जख्मों को भारत निरंतर झेलकर अपने तकरीबन 45 हजार सैनिकों और अफसरों का बलिदान दे चुका है। यूं तो कश्मीर की सरजमीं पर तकरीबन एक लाख से अधिक इंसान अपनी जान गवां चुके हैं। आखिरकार क्या निदान है कश्मीर विवाद का और पाकिस्तान द्वारा प्रेषित परिपोषित जिहादी आतंकवाद का?

प्रॉक्सी वार कर रहा पाकिस्तान

भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात ही पाक हुकूमत द्वारा कश्मीर को सैन्य शक्ति द्वारा हथियाने की बाकायदा संगीन कोशिश अंजाम दी गई। जबकि पश्तुन कबाईली हमले का नकाब धारण करके मेजर जनरल अकबर अली खान के नेतृत्व में पाक फौज द्वारा ऑपरेशन गुलमर्ग के तहत रियासत कश्मीर पर 22 अक्टूबर 1947 को सैन्य धावा बोला गया। जम्मू कश्मीर रियासत के महाराजा हरि सिंह की छोटी सी सेना ताकतवर पाक फौज के आक्रमण का मुकाबला करने में नाकाम सिद्ध हुई। अंततः महाराजा हरि सिंह ने तत्काल प्रभाव से 26 अक्टूबर 1947 को संपूर्ण जम्मू कश्मीर रियासत का भारत के साथ संविलयन करने के लिए बाकायदा विलयपत्र पर दस्तखत कर दिए। भारतीय फौज आक्रमणकारी पाकिस्तानी फौज को जबरदस्त शिकस्त देते हुए निरंतर गति से आगे बढ़ रही थी और अपनी विजय पताका फहराती हुई उरी इलाके तक पहुंच गई थी, जहां से पाक अधिकृत कश्मीर का मुजफ्फराबाद इलाका कुछ ही घंटे की दूरी पर स्थित था। विजय पताका लहराती हुई भारतीय सेना को यकायक युद्ध विराम करने का आदेश भारत की केंद्रीय हुकूमत द्वारा दिया गया। भारत की तत्कालीन अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र में ले गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जम्मू कश्मीर में जनमत संग्रह आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया। पाकिस्तान की हठधर्मिता के कारण जम्मू-कश्मीर में कभी संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में जनमत संग्रह नहीं आयोजित किया जा सका। 1988 से पाक हुकूमत ने कश्मीर पर बलपूर्वक आधिपत्य स्थापित करने के लिए प्रॉक्सी वार का संचालन प्रारंभ किया।

आर्टिकल 370 को निरस्त किया

वर्ष 2019 में भारत सरकार में जम्मू कश्मीर प्रांत के लिए भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त आर्टिकल 370 को निरस्त किया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा यह दावा पेश किया गया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने से कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का स्वतः सफाया हो जाएगा। मोदी सरकार द्वारा नोटबंदी अंजाम दी गई और दावा किया गया कि भारत में सक्रिय आतंकवादी गिरोहों की कमर टूट जाएगी। नोटबंदी से आतंकवादियों की कमर तो कदाचित नहीं टूट सकी, छोटे व्यापारियों की कमर जरूर टूट गई। कश्मीर में आतंकवाद निरंतर सक्रिय बना रहा, किंतु उसकी घातक क्षमता में किंचित मात्र कमी जरूर आई।

मंगलवार 22 अप्रैल को पहलगाम में जो अत्यंत बर्बर और नृशंस वारदात अंजाम दी गई, इसे विगत 10 वर्षों में सबसे विकट और घातक आतंकवादी हमला करार दिया जा रहा है। इस वारदात के बाद भारत सरकार की कश्मीर नीति पर अनेक तल्ख प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। वर्ष 2014 में सत्तासीन होते ही नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का सफाया करने का जबरदस्त वादा पेश किया गया था। भारत की केंद्रीय हुकूमत ने ऐलान किया था कि आर्टिकल 370 के समापन के बाद भारत के सभी प्रांतों के लोग जम्मू-कश्मीर में अब जमीन खरीद सकते हैं, अपने उद्योग धंधे स्थापित कर सकते हैं, अपने घरों का निर्माण कर सकते हैं।

नागरिकों को कड़ी सुरक्षा का दावा

भारत सरकार की कश्मीर नीति का सबसे आवश्यक ऐलान रहा है कि कश्मीर घाटी में पर्यटन को बढ़ावा प्रदान करना है और साथ ही भारतीय नागरिकों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करनी है। यकीनन कश्मीर घाटी में पर्यटकों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि होने का दीदार हुआ। विगत वर्ष 2024 में तकरीबन 35 लाख पर्यटक कश्मीर घाटी में पधारे। कश्मीर की सरजमीं पर बॉर्डर टूरिज्म का भी आगाज़ किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से कश्मीर में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर की जबरदस्त तामीरें अंजाम दी गई। अनेक शानदार बड़े टनल निर्मित किए गए। जम्मू कश्मीर के अत्यंत दुर्गम इलाकों को आपस में संबद्ध करने का अत्यंत दुरूह काम अंजाम दिया गया। इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनमर्ग टनल का उद्घाटन किया जोकि सोनमर्ग को गगनगिरी से संबद्ध करता है। जम्मू-कश्मीर में ऊंची तालीम प्रदान करने के लिए अनेक संस्थानों का निर्माण किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से यह पैगाम दिया गया कि कश्मीर में अब खौफ ओ दहशत का दौर खत्म हो गया है। भारतीय हुकूमत निरंतर दावा पेश करती रही कि कश्मीर में हालात सामान्य हो गए हैं और जिहादी दहशतगर्दी पर कठोर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है। भारत को एकजुट रखने के लिए केंद्रीय हुकूमत में शासन करने वाली पार्टी को अपनी ध्रुवीकरण और विभाजनकारी नीतियों का पूर्णतया परित्याग भी करना होगा। जिहादी आतंकवादी तो मजहब को आधार बनाकर मारने से पहले नाम पूछेंगे ही, क्योंकि पाकिस्तान का निर्माण ही मजहब के आधार पर हुआ है। यक्ष प्रश्न यह है कि हम भारतीय क्या कर रहे हैं ? पहलगाम क्षेत्र से जहां पर यह दुर्भाग्यपूर्ण आतंकवादी घटना अंजाम दी गई, भारतीय सेना की सुरक्षा हटा ली गई थी और तकरीबन डेढ़ वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर पुलिस को इस क्षेत्र की समस्त सुरक्षा सौंप दी गई थी। एक ज्वलंत तथ्य पोनी घोड़ा चलाने वाला एक शख्स जो कि मजहब से मुसलमान था, उसने एक आतंकवादी से राइफल छीन लेने के प्रयास में अपनी जान दे दी। पहलगाम में तकरीबन दो हजार पर्यटकों की भीड़ को सुरक्षा देने वाला एक भी पुलिसकर्मी विद्यमान नहीं था। पाकिस्तान के दहशतगर्द जिहादी शर्मनाक और नृशंस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद मौका ए वारदात से बिना किसी मुकाबले के फरार हो गए।

आतंकवादी हमले का मिला था इनपुट

इंटेलिजेंस के रॉबिनहुड कहे जाने वाले नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल कितने नाकाम सिद्ध हुए। पुलवामा की तरह पहलगाम में इंटेलिजेंस का इनपुट था कि आतंकवादी हमला अंजाम दिया जा सकता है, किंतु केंद्रीय हुकूमत ने इस पर कोई तवज्जो प्रदान नहीं की। आखिरकार वही हुआ जो कि नहीं होना था। वर्ष 2019 में आर्टिकल 370 को निरस्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में पहली दफा कश्मीर घाटी का दौरा किया। नरेंद्र मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा लोकसभा चुनाव से कुछ वक्त पहले संपन्न हुआ था। श्रीनगर की एक बड़ी आम सभा में जोरदार तकरीर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरमाया था कि कश्मीरी आजादी की सांस ले रहे हैं उन्होंने आगे फरमाया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने के बाद कश्मीर की प्रगति और समृद्धि नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी तकरीर में आगे कहा कि वर्षों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आर्टिकल 370 के विषय में जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र के लोगों को भरमाया और बरगलाया। भारतीय हुकूमत के प्रधानमंत्री के तमाम दावों के बावजूद कश्मीर की वस्तु स्थिति के वास्तविक जानकार निरंतर कहते रहे हैं कि कश्मीर में जिहादी आतंकवाद पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका और यहां-वहां जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर आतंकवादी हिंसा निरंतर जारी रही है। भारतीय सैनिक और कश्मीरी नागरिक आतंकवादियों द्वारा निरंतर हलाक़ किए जाते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म किए जाने के बाद सुरक्षा प्रबंधन की संपूर्ण शक्तियां केंद्रीय हुकूमत के हाथों में निहित रही हैं। कश्मीर में आतंकवाद की कमर तोड़ देने का केंद्रीय गृहमंत्री का दावा एकदम खोखला सिद्ध हुआ। कश्मीर घाटी की कठोर सच्चाई है कि आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने के बाद कश्मीर घाटी के आवाम पहले की ही तरह आतंकवाद की दहशत से पूर्णतया मुक्त नहीं हुए हैं। वर्ष 2019 में ही पुलवामा में आतंकवादी आक्रमण में सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए। केंद्रीय हुकूमत ने कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करने के लिए ऐसा कुछ भी नहीं किया, जोकि पहले से नहीं किया जा रहा था।

संसद के प्रस्ताव को जामा पहनाना होगा

भारत को आतंकवाद के प्रतिरोध को अंजाम देने में तभी कामयाबी मिलेगी,जब भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा कथित एलओसी अर्थात लाइन ऑफ़ कंट्रोल को रौंद कर पाक अधिकृत कश्मीर में पाक आईएसआई द्वारा स्थापित किए गए आतंकवादी सैन्य शिविरों पर निरंतर आक्रमण अंजाम दिए जाएं। वर्ष 1993 में भारतीय संसद एक मत से यह प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। वक्त आ गया है कि संसद के प्रस्ताव को भारतीय हुकूमत द्वारा अमली जामा पहनाया जाए और अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल करने के लिए एक बड़ी सैनिक कार्यवाही अंजाम दी जाए। अन्यथा कश्मीर में आतंकवाद का सफाया नामुमकिन रहेगा। कश्मीर पर संपूर्ण आधिपत्य स्थापित करने के लिए भारत को कूटनीति के साथ सैन्यनीति से एक निर्णायक जंग पाकिस्तान से लड़नी ही होगी।

भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई ही शेष

पहलगाम
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम हमले के बाद संपूर्ण देश का सामूहिक मानस वैसी कार्रवाई, प्रतिरोध और प्रतिशोध का इच्छुक है जिससे भारत को दोबारा ऐसी भयानक घटना का सामना न करना पड़े। यह स्वाभाविक है। एक समय जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम थी और तब भी लोगों के अंदर क्रोध पैदा होता था लेकिन आम मानस यह था कि इसे रोकना अभी संभव नहीं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के बाद माहौल बदला, आतंकवादी घटनाओं में व्यापक कमी आई है। जम्मू के साथ-साथ कश्मीर घाटी भी धीरे-धीरे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,शैक्षणिक गतिविधियों में देश के सामान्य राज्य की तरह काफी हद तक पटरी पर लौट गई है। ऐसे माहौल में एक साथ 26 हिंदुओं तथा एक गैर मुस्लिम की हत्या के बाद उबाल स्वाभाविक है।

आतंकवाद के नाश का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भी आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद के समूल नाश का सक्रिय संकल्प दिखाया है। मोदी सरकार ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक तथा 2018 में पुलवामा हमले के बाद हवाई बमबारी जैसी भारत की दृष्टि से अकल्पनीय मानी जाने वाली कार्रवाई करके देश का विश्वास प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी की आमसभा में केवल आतंकवादी नहीं उनको प्रायोजित करने वाली शक्तियों के विरुद्ध भी ऐसी कार्रवाई की घोषणा की जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। उनका विश्व के लिए संदेश था कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत कमर कस चुका है और कार्रवाई करेगा। कोई देश सार्वजनिक संकल्प दिखाते हुए समानांतर कदम उठाता है और उसकी पृष्ठभूमि आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की हो चुकी है तो विश्व समुदाय को भी सोच और व्यवहार को उसके अनुरूप बदलना पड़ता है। हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान के साथ एक देश नहीं खड़ा है। वे मुस्लिम देश, जो सामान्यतः जम्मू कश्मीर पर इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में उसका साथ देते थे, हिम्मत नहीं दिखा रहे। अमेरिकी विदेश विभाग की ब्रीफिंग में एक पाकिस्तानी पत्रकार के प्रश्न की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने हिकारत के भाव से उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पर भारत के साथ हैं। सच है कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका की एफबीआई तथा तुलसी गवार्ड के निर्देशन में नेशनल इंटेलिजेंस आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय देशों ने स्पष्ट रूप से भारत का समर्थन किया है। पाकिस्तान ने यद्यपि इस्लामाबाद में 26 देशों के राजनयिकों को बुलाकर अपनी दृष्टि से ब्रीफिंग की किंतु कोई उससे प्रभावित है, ऐसा लगता नहीं।

सिंधु जल संधि स्थगित

प्रश्न है कि भारत क्या कर सकता है, क्या करेगा और कैसी संभावनाएं हैं? घटना के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर से लौटने के बाद मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानियों को दिये हर तरह का वीजा रद करने, उन्हें देश छोड़ने, पाकिस्तानी

उच्चायोग से रक्षा और सैनिक विभाग के अपने समकक्षों को इस्लामाबाद से बुलाने तथा संख्या कम करने का अदम उठाया। इसके साथ सिंधु जल संधि स्थगित करने का अभूतपूर्व कदम उठाया। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में सीनेट में प्रस्ताव पारित किया तथा आतंकवादी घटना से स्वयं को अलग करते हुए भारत पर ही बदनाम करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान का सबसे बड़ा वक्तव्य है कि सिंधु जल समझौते को रद करना युद्ध जैसा कदम है। उसने 1972 के शिमला समझौते को समाप्त करने की धमकी दी। पाकिस्तान की दुर्दशा देखिए कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक साक्षात्कार में आतंकी संगठनों के वित्त पोषण, प्रशिक्षण और समर्थन के इतिहास संबंधी प्रश्न पर स्वीकार किया कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए ऐसा करते रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम अगर सोवियत संघ के खिलाफ अफगानिस्तान युद्ध या 9/11 में साथ नहीं होते तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड साफ रहता। तो इतना उन्होंने स्वीकार किया। यह भी वास्तविक सच को इस मायने में झुठलाना है क्योंकि स्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पाकिस्तान ने अपनी ओर से प्रायोजित किया और उसका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जो एक हद तक अभी भी कायम है। विश्व के प्रमुख देशों की सूचना में ये सारी बातें हैं। इसलिए भारत ने जब 2018 में हवाई बमबारी की तो एक भी देश ने उसका विरोध नहीं किया। उस समय भी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के और व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति थे। निःसंदेह, संपूर्ण देश में पाकिस्तान के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई या युद्ध का माहौल बना हुआ है। इस दृष्टि से देखें तो सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी की जा चुकी तथा इसके प्रभाव भी पड़े। स्वाभाविक ही इससे बड़ी कार्रवाई की स्थिति सामने है। तो आगे क्या? जम्मू-कश्मीर के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता थी, जो हो रही है। पहलगाम के बाद उसको पूर्णता तक ले जाना अपरिहार्य हो गया है। भारत ने आंतरिक रूप से पहलगाम हमले के एक आतंकवादी अनंतनाग के बरा स्थित आदिल ठोकर उर्फ आदिल कुड़ी के घर को ध्वस्त किया तथा दूसरे आतंकवादी जैश ए मोहम्मद के आसिफ शेख का मकान तलाशी के दौरान स्वयं ध्वस्त हो गया।

भारत अब बदल चुका

यह आतंकवादियों को सीधा संदेश है कि भारत बदल चुका है। सच यही है कि जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में न केवल भारत बदला है बल्कि जम्मू कश्मीर तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी बदला हुआ है। यह पहली बार है जब आतंकवादी घटना के विरुद्ध कम या ज्यादा संख्या में संपूर्ण जम्मू कश्मीर से लोग सड़कों पर आए हैं, कैंडल मार्च और धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि यह सब गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर दौरे के बाद ही आरंभ हुआ। अमित शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे और वहां कुछ बातें हुई होगी। उसके बाद नेशनल कांफ्रेंस ने पहली बार विरोध प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती जैसी पाकिस्तान के प्रति नरम नीति अपनाने वाली नेत्री को भी सड़क पर उतरना पड़ा। कश्मीर में जहां आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कार्रवाई के विरुद्ध नारे लगाते थे, पत्थरबाजी होती थी और किसी तरह आतंकवादियों के निकल भागने का रास्ता तैयार किया जाता था, उसके विपरीत यह दृश्य निश्चित रूप से महत्वपूर्ण बदलाव का संदेश है। थोड़ी गहराई और व्यापकता से विचार करें तो निष्कर्ष आएगा कि सीमा पर सैन्य कार्रवाई को छोड़कर किसी देश के विरुद्ध जितने कदम उठाए जा सकते थे, लगभग भारत ने एक बारगी उठा लिया है। इसका अर्थ है कि भारत समग्रता में दीर्घकालिक समाधान की दृष्टि से बहुपक्षीय कार्रवाई की ओर अग्रसर है।

सबक सिखाना और सीखना दोनों जरूरी

आतंकवाद
राजकुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

बड़े लोगों के परिजन अकसर विदेश में ही रहते हैं, पर कहा जा रहा है कि सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर समेत पाकिस्तान के बड़े सैन्य अधिकारियों ने परिवारों को यूरोप भेज दिया है। यह पहलगाम पर आतंकी हमले के बाद भारत-पाक में बढ़ते तनाव का असर है। उन्हें डर है कि प्रतिक्रियास्वरूप भारत बड़ी कार्रवाई कर सकता है। अभी तक सरकार ने सिंधु जल संधि स्थगित करने, पाक उच्चायोग स्टाफ घटाने, सार्क समेत 14 श्रेणियों में पाक नागरिकों को जारी वीजा तुरंत रद करने और अटारी बॉर्डर बंद करने जैसे कुछ सख्त फैसले लिये हैं। पाकिस्तान ने भी भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करते हुए जवाबी कदम उठाये हैं। यह तनाव और बढ़ सकता है। इसी साल विधानसभा चुनाव वाले बिहार में जनसभा के बजाय दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकियों को 'मिट्टी में मिला देने' की चेतावनी देते तो शायद और बेहतर संदेश जाता। बिहार को कुछ सौगातें देने के मौके पर जनसभा में मोदी ने कहा कि 'उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा' मिलेगी। धार्मिक पहचान पूछ कर 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले मानवता के दुश्मनों को कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए, पर उनको नापाक मंसूबों में सफल हो जाने देने के लिए जिम्मेदार हमारे तंत्र पर भी तो गाज गिरनी चाहिए। पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

सुरक्षा में चूक का सवाल

हाल के वर्षों में वहां पर्यटकों की बढ़ती संख्या भी सुखद है। फिर स्विटजरलैंड से तुलना वाली पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हजारों पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई मौजूद क्यों नहीं था? आखिर देश भर से ये पर्यटक 'स्थिति सामान्य' होने के सरकारी दावों पर भरोसा करते हुए ही वहां गये थे। आपसी रिश्ते रसातल में पहुंच जाने के बावजूद इस संकटकाल में विपक्ष ने हर कदम के लिए सरकार को समर्थन देकर समझदारी का परिचय दिया है, लेकिन सुरक्षा में चूक की बात घुमा-फिरा कर स्वीकार करने वाली व्यवस्था खुद पर उठते सवालों का जवाब कब देगी? केंद्र सरकार के ये स्पष्टीकरण कि टूर ऑपरेटर्स ने बिना बताये टूर शुरू कर दिये तथा जहां हमला हुआ, वह जगह मेन रोड से बहुत दूर है, गैर-जिम्मेदारी की पराकाष्ठा हैं। जो सरकारी तंत्र हजारों पर्यटकों के पहलगाम पहुंचने की जानकारी के लिए टूर ऑपरेटर्स की सूचना पर निर्भर हो तथा घटनास्थल मेन रोड से बहुत दूर होने के कारण वहां पर सुरक्षाकर्मी न होने का कुतर्क दे सकता हो, उसकी क्षमता और दक्षता पर ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं रह जाती। सामान्य समझ भी बताती है कि ऐसे हमले को बिना सुनियोजित साजिश और लंबी तैयारी के अंजाम नहीं दिया जा सकता।

हमारे सत्ता तंत्र की जवाबदेही

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान द्वारा पुनः कश्मीर राग आलापे जाने तथा पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर द्वारा अचानक हिंदू-मुसलमान के बीच स्पष्ट भेद बताते हुए

द्विराष्ट्र थ्योरी पर कुतर्कों के साथ लंबे प्रवचन से भी हमारी व्यवस्था के कान खड़े नहीं हुए। वैसे जो तंत्र हमले की आशंका की खुफिया सूचना के बावजूद पर्यटक स्थलों पर भी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया, उससे दुनिया के घटनाक्रम से सजग होने की उम्मीद नहीं जा सकती। पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था नदारद होने से सेना की घटती संख्या तथा अग्निवीर जैसी विवादास्पद योजना पर भी नये सिरे से सवाल उठने लगे हैं। तर्क दिया जा सकता है कि सुरक्षा में चूक के बाद सवाल उठना स्वाभाविक है, लेकिन इनके जवाब दूरगामी प्रभाव और परिणाम तय करेंगे।

पाकिस्तान तो अस्तित्व में आने के बाद से ही भारत में अलगाववाद और आतंकवाद फैलाने की साजिशें रचता रहा है, पर उन्हें नाकाम करते हुए देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी और जवाबदेही हमारे सत्ता तंत्र की है। इसलिए नापाक पाक पर निशाना साधते हुए भी अपनी नाकामी की जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। संविधान संशोधनों के बाद जम्मू-कश्मीर की वास्तविक कमान केंद्र सरकार और उसके प्रतिनिधि उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के ही हाथ है। पिछले साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव हो जाने के बावजूद सुरक्षा संबंधी अहम बैठकों में निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बुलाया तक नहीं जाता। बेहद संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में निर्वाचित सरकार को नजरअंदाज कर सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई में सफलता की सोच में ही विफलता निहित है। दूसरा बड़ा मुद्दा धार्मिक पहचान पूछ कर मारे जाने को बनाया जा रहा है। बेशक यह मानवता के विरुद्ध है, पर मानवता के विरुद्ध तो आतंकवाद ही है। पंजाब में आतंकवाद के दौर में भी धार्मिक पहचान के आधार पर बसों से उतार कर हत्या की जाती थी। पहलगाम में तो हिंदू पर्यटकों की जान बचाते हुए एक मुस्लिम ने अपनी जान तक गंवा दी। फिर भी देश के कई हिस्सों में कश्मीरी छात्रों को निशाना बना कर सांप्रदायिक विभाजन के पाकिस्तानी मंसूबे पूरे करने में कुछ लोग मददगार बनने को उतावले नजर आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ही नहीं, दुनिया को भी लग रहा है कि कुछ बड़ा होगा, पर कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या होगा, लेकन जो भी होगा, आतंकवाद पर करारा वार होगा। मोदी के ऐसे सख्त बोल पिछली बार 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा हमले पर सुनायी पड़े थे और 26 फरवरी को तड़के भारतीय लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया। उरी हमले के जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक के बाद यह दूसरी बार था, जब भारत ने सीमा पार कर आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखाया। उसी के बाद सरकार और भाजपा ने नारा बुलंद किया कि यह नया भारत है, जो दुश्मन को घर में घुस कर मारता है। नारा जनता के सिर चढ़ कर बोला और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें 282 से बढ़ कर 303 हो गयीं। उत्साहित मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले, संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करते हुए उसे विभाजित भी कर दिया।

प्रायोजित आतंकी हमले जारी

दावा किया गया कि अनुच्छेद 370 अलगाववाद और आतंकवाद का औजार बन गया था। बाद के सालों में जम्मू-कश्मीर में बेहतर हालात का दावा भी किया जाता रहा, लेकिन पहलगाम हमला बताता है कि सुरक्षा के मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। पाक प्रायोजित आतंकवाद के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। हमेशा की तरह इस बार भी पाकिस्तान न भी माने, पर दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ है कि पहलगाम में सीमा पार प्रायोजित आतंकी हमला ही था, लेकिन अप्रत्याशित हरगिज नहीं था।

UDYOG EVAM ROJGAR VARSH 2025
INVEST MADHYA PRADESH
MPS@DC
INFOTECH ENGINE OF M.P.
देश का टेक्नोलॉजी हब
बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश
टेक ग्रोथ
कॉन्क्लेव 2025
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के संकल्पों को
साकार करता मध्यप्रदेश
शुभारंभ
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा
27 अप्रैल 2025 | सायं 5:00 बजे
ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर
अवसरों का प्रदेश
मध्यप्रदेश...
इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियां
• ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025
• ड्रोन प्रमोशन एवं यूसेज पॉलिसी 2025
• आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023
• एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025
• सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025
टेक ईकोसिस्टम
15+ आईटी पार्क
5 आईटी सेज़
2000+ आईटी, आईटीईएस यूनिट
50+ बड़ी आईटी कंपनियां
1200+ टेक स्टार्ट-अप्स
200K+ रोज़गार के अवसर
2 टेक यूनिकॉर्न
D-11017/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025
फोकस क्षेत्र
आईटी-आईटीईएस
एवीजीसी-एक्सआर
ड्रोन प्रौद्योगिकी
ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर
डाटा सेंटर
ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स
ipcell-mp@mpsedc.com | Website : mpsedc.mp.gov.in | #MPTechGrowthConclave2025 | #TechDestinationMP
सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

तरकश

संजय के. दीक्षित

जांच का असर, 32 करोड़ की बचत

पाठ्य पुस्तक निगम के चर्चित घपले की जांच का ऐसा असर हुआ कि पेपर का रेट इस बार गिरकर 77 रुपए प्रति किलो पर आ गया। जबकि पिछले साल 109 रुपए किलो से टेंडर हुआ था। सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए करीब 50 लाख पुस्तकें छापने के लिए पापुनि हर साल करीब 10 हजार टन पेपर की खरीदी करता है। 77 रुपए के हिसाब से इस बार 77 करोड़ ही खर्च हुआ। याने खजाने का 32 करोड़ बच गया। पापुनि से जुड़े लोगों की मानें तो 30 परसेंट रेट गिरने के बाद भी 77 करोड़ में से आठ-से-दस करोड़ बंट जाएगा। तो फिर इसे यूं समझा जाए कि पिछले साल करीब 40 करोड़ का खेला हुआ। बता दें, विधानसभा चुनाव 2023 से महीने भर पहले नवंबर 2023 में ही रेट फायनल कर पेपर सप्लाई का आर्डर दे दिया गया था। पापुनि की किताबें कबाड़ में पाए जाने के बाद बवाल मचा तो पता चला बीजेपी वाले खाए पीए कुछ नहीं, गिलास फोड़े बारह आना वाला हाल हो गया। याने आवश्यकता से अधिक पुस्तकें छपवाने के खेल की पृष्ठभूमि विधानसभा चुनाव से पहले बनी और विकास उपाध्याय ने ठीकरा फोड़ दिया सरकार के माथे। अलबत्ता, पापुनि ने जांच के नाम पर खटराल अधिकारियों की कमेटी बनाकर खानापूर्ति करने का प्रयास किया। मगर सीएम विष्णुदेव साय बिगड़ पड़े...बोले, सबसे बढ़ियां जांच कौन करेगा, बताया गया रेणु पिल्ले। पिल्ले कमेटी की जांच का ऐसा असर हुआ कि इस बार पेपर का रेट धराशायी हो गया। राज्य बनने के बाद यह पहला मौका होगा, जब इतना कम रेट गया होगा। बता दें, डेढ़ दशक पहले एक मंत्री ने अपना रेट 25 प्रतिशत फिक्स कर दिया था, उसके बाद पापुनि में घोटाला चरम पर पहुंच गया था। शुक्र है, पापुनि की व्यवस्था पटरी पर आ गई, खजाने का 32 करोड़ बचा सो अलग।

ऐतिहासिक राहत और 'डंडी'

विष्णुदेव साय सरकार ने जमीन-जायदाद के नामंतरण के मामले में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए सिस्टम को ऑटोमेटिक कर दिया। याने रजिस्ट्री होते ही अब अपने आप रिकार्ड में आपका नाम चढ़ जाएगा। सरकार के इस फैसले से लोगों का न केवल सिरदर्द कम होगा बल्कि साल में हजार करोड़ का भ्रष्टाचार पर लगाम कसेगा। मगर इसके साथ ही सरकार के लिए संज्ञान लेने लायक प्वाइंट यह है कि राजस्व विभाग ने तीन ऐसी शर्ते जोड़ दी है, उससे सरकार का मूल उद्देश्य के पूरा होने पर संशय है। पहला, कोई विवाद नहीं होनी चाहिए, दूसरा जिओ रेफ्रेंस और तीसरा बटांकन। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में बटांकन का काम पूरा नहीं हुआ है। सूबे में सिर्फ रायगढ़ और राजनांदगांव जिले में 70 परसेंट बटांकन हुआ है। यही हाल, जिओ रेफ्रेंस का है। पिछले दसेक साल से कई कंपनियां इस पर काम कर रही मगर आज तक यह कंप्लीट नहीं हुआ। और शिकायत तो कोई शरारत करते हुए एक अर्जी दे देगा रजिस्ट्री विभाग में, तो उसका आटोमेटिक नामंतरण नहीं होगा। याने मामला फिर तहसीलदार के पास जाएगा। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने पिछली सरकार में भी यही खेला किया था। तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के भाषण में नामंतरण के सरलीकरण की घोषणा की थी। उसके बाद आईएएस निरंजन दास की अध्यक्षता में तीन आईएएस अधिकारियों की कमेटी बनी। निरंजन दास कमेटी ने भी पटवारी, तहसीलदारों के पक्ष में रिपोर्ट देते हुए कहा कि 14 दिन में अगर नामंतरण नहीं हुआ तो तहसीलदार की कोर्ट में प्रकरण दर्ज हो जाएगा। याने कमेटी ने पेचीदगियां और बढ़ा दी। बहरहाल, वर्तमान सरकार ने बड़ा फैसला किया है...उसकी नीयत नेक है...इसे लागू होने में अभी हफ्ते भर का टाईम है। 3 मई को इसका उद्घाटन किया जाएगा। तीनों शर्तों को अगर शिथिल कर दिया जाए, तो आम आदमी के लिए सचमुच...अकल्पनीय राहत होगी।

2005 बैच, 5 कलेक्टर

पीएससी के चर्चित 2005 बैच के इस समय पांच कलेक्टर हो गए। तीन पहले से थे, दो अभी बने हैं। छत्तीसगढ़ में ऐसा संयोग पहली बार हुआ है कि एक बैच के पांच-पांच अफसरों को जिला मिल गया हो। हालांकि, इसमें कोई गलत नहीं है। हर आईएएस का सपना होता है कलेक्टर बनना। पहले के समय में बेचारे सुरेंद्र बेहार जैसे कई अफसर बिना जिला किए ही रिटायर हो गए। मगर बात 2005 बैच के संदर्भ में तो, सरकार को 360 डिग्री वाला मानिटरिंग सिस्टम स्ट्रांग करना होगा। वरना, 2005 बैच के अधिकारियों का जैसे-जैसे रिटायरमेंट का वक्त आ रहा...इन बेचारों का लीगल खर्चा बढ़ता जा रहा है। जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के सिर्फ एक स्टे पर इनकी नौकरी अटकी हुई हैं। वरना, बिलासपुर हाई कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस दीपक गुप्ता ने तो इनकी नियुक्ति निरस्त कर सड़क पर ला दिया था। वो तो भला हो देश के सबसे बड़े और महंगे वकील हरीश साल्वे का, जिनके चलते सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिल गया। नौ साल से यह स्टे कंटिन्यू कर रहा है। राहत की बात यह कि राज्य सरकारों ने भी स्टे हटवाने कोई प्रयास नहीं किया। उपर से नजरे इनायत ऐसी कि पिछली सरकार में उन्हें आईएएस भी अवार्ड हो गया।

समरथ को नहीं दोष गोसाई

यह आठवां आश्चर्य होगा कि सीजीएमएससी के इतने कारनामों के बाद भी एमडी का बाल बांका नहीं हुआ। चार कॉलेजों के टेंडर में 500 करोड़ का स्कैम के बाद भी सीजीएमएससी में सब कुछ अनवरत चल रहा है, मानो कुछ हुआ ही नहीं। दरअसल, पीएससी का 2005 बैच धनबल से इतना ताकतवर है कि बेचारी वर्षा डोंगरे दो दशक से संघर्ष करते-करते थक गई। पिछली सरकार ने उल्टे वर्षा को सस्पेंड कर दिया था। एक दूसरे आरटीआई कार्यकर्ता को लग्जरी रिसोर्ट बनवाकर उनका मुंह बंद करा दिया गया। 2005 बैच के अफसर दबी जुबां से मानते हैं कि पोस्टिंग के हिसाब से हमें योगदान देना पड़ता है। जैसे कलेक्टर या मलाईदार बोर्ड या निगम में हैं तो फिर महीने का हेवी हिस्सेदारी उन्हें निभानी पड़ती है। ऐसे में वर्षा डोंगरे क्या कर लेगी, जब पूरा सिस्टम समरथ के साथ है...सुप्रीम कोर्ट से जब तक स्टे हटेगा, तब तक सभी रिटायर हो चुके होंगे। भगवान सिंह उईके तो अगले साल दिसंबर में ही रिटायरमेंट है। हमारे कहने का यह आशय कतई नहीं कि 2005 बैच वाले सारे-के-सारे बैकडोर वाले हैं....मगर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक गुप्ता ने नियुक्ति निरस्त की थी, तो कुछ तो उन्होंने देखा ही होगा। वैसे, पीएससी ने भी कोर्ट में गलती मान ली थी, मगर एक्शन कुछ लिया नहीं। पुणे की पूजा खेड़कर का मामला नेशनल लेवल पर उछल गया इसलिए यूपीएससी ने पूजा का आईएएस निरस्त कर दिया। और छत्तीसगढ़ में....छत्तीसगढ़िया सबले बढ़ियां...यहां जेल जा चुकी बारहवीं की फर्जी टॉपर पोरा बाई सरकारी नौकरी कर रही है...और भर्ती निरस्त हो चुकी अफसर कलेक्टरी।

सूचना आयोग का औचित्य?

पीएससी 2005 की बात चली तो सूचना आयोग की अहमियत पर भी चर्चा लाजिमी है। 2005 में ही सूचना आयोग की स्थापना हुई थी। 20 साल में एकमात्र बड़ी सूचना पीएससससी की ही निकली थी। आरटीआई से ही खुलासा हुआ था कि पीएससी 2005 परीक्षा में किस तरह पैसे और पहुंच के बल पर मेरिट लिस्ट पलट दी गई। इसके बाद फिर सूचना आयोग ने फिर कोई ऐसी जानकारी नहीं दी। एक तरह से कहें तो अब ये सफेद हाथी की तरह हो गया है। हालांकि, दिक्कत सूचना आयुक्तों की नहीं, उन्हें नियुक्त करने वालों की है। मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त ऐसे अधिकारियों को बनाया जाता है, जो पूरी सरकारी नौकरी के दौरान मामलों पर पर्दा डालने का काम करते हैं। रिटायरमेंट के बाद अगर उन्हें सूचना आयुक्त बना दिया जाएगा तो उनसे जानकारी का खुलासा करने की उम्मीद भला कैसे की जा सकती है।

तहसीलदारों का बोझ हल्का

नामंतरण का अधिकार रजिस्ट्री अधिकारी को देकर राज्य सरकार ने तहसीलदारों का न केवल जेब हल्का किया बल्कि उनके कंधों का बोझ भी हल्का कर दिया है। नामंतरण के लिए 14 दिन टाईम लिमिट था मगर बात नहीं बनी तो महीनों फाइल लटकी रहती थी। कभी वीआईपी ड्यूटी का बहाना तो कभी वुनाव का। सरकार ने एक झटके में तहसीलदारों का दोनों बोझ हल्का कर दिया है।

रिटायरमेंट से पहले मान

आईएएस टोपेश्वर वर्मा से काम राजस्व बोर्ड चेयरमैन का लिया जा रहा था और पोस्ट मेंबर का था। मेंबर की हैसियत से वे प्रभारी चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे थे। राज्य सरकार ने आईएएस के फेरबदल में इस विडंबना को दूर करते हुए टोपेश्वर को चेयरमैन की पोस्टिंग दे दी है। टोपेश्वर का इसी साल अक्टूबर में रिटायरमेंट है। रेवेन्यू बोर्ड का चेयरमैन मुख्य सचिव के समकक्ष पद है। उपर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भांजी दामाद होने के बाद भी सरकार ने टोपेश्वर का कद बढ़ाने में दिल छोटा नहीं किया। पूर्व सीएम के एक भांजी दामाद गृह मंत्री विजय शर्मा के गृह जिले कवर्धा के कलेक्टर हैं। अब आप ये मत समझिएगा कि पूर्व मुख्यमंत्री का इस सरकार में चल रही है। कवर्धा वाला मामला विशुद्ध तौर से गृह मंत्रीजी के दोस्ती का है, और टोपेश्वर का सरकार की उदारता का।

कांग्रेस मंत्री का मॉल और बीजेपी प्रेम

रायगढ़ के रहने वाले केके गुप्ता छत्तीसगढ़ बनने से पहले दिग्विजय सिंह सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे। कारोबारी परिवार से ताल्लुकात रखने वाले गुप्ता का रायगढ में होटल खुला तो बीजेपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने फीता काटा था। बिलासपुर के मॉल के समय भी ऐसा ही हुआ। राजधानी रायपुर के एक पुराने मॉल का भी बीजेपी के मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया। कल रायपुर के जोरा मॉल के उद्घाटन में मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री से लेकर बीजेपी के सारे बड़े नेता फोटो में नजर आए, कांग्रेस के एक भी नहीं। पूर्व मंत्री का कारोबार जिस ढंग से बढ़ रहा है, कहीं ऐसा तो नहीं कि वे बीजेपी ज्वाईन कर लें।

दिल्ली स्टाईल में ट्रांसफर

आईएएस के ट्रांसफर इस बार भारत सरकार के स्टाईल में हुए। अभी तक एक अधिकारी के पास कई-कई एचओडी और मंत्री होते थे। इसमें दिक्कत यह होती थी कि कई बार सेम टाईम में दो-दो मंत्रियों की बैठक हो जाती थी। विधानसभा सत्र के दौरान ब्रीफिंग में भी ये कठिनाई आती थी। सरकार ने अब एकजाई करके एक एचओडी, एक मिनिस्टर कर दिया है। याने अफसरों को अब इधर-उधर भागना नहीं पड़ेगा। उनका एक एचओडी होगा और एक मंत्री। राजस्व पर भी सरकार ने पहली बार ध्यान दिया है। राजस्व बोर्ड वन मैन आर्मी की तरह काम कर रहा था, सरकार ने एक मेम्बर और बिठाया है। रायपुर, दुर्ग संभागों में सर्वाधिक केसों को देखते दोनों संभागों में एक-एक अपर आयुक्त की पोस्टिंग की गई है। अबकी पोस्टिंग में इस सरकार, उस सरकार वाला लेबल हटा दिया गया है। याने पिछले सरकार वाले अफसरों को भी उनके काम के हिसाब से पोस्टिंग दी गई है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. आपकी नजर में रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा के मुख्य सूचना आयुक्त बनने की संभावना कितना प्रतिशत है?
2. मीनल चौबे के महापौर बनने के बाद अगर राजेश मूणत मंत्री बन गए तो फिर बृजमोहन अग्रवाल खेमे का क्या होगा?

पैसों के लिए बहु ने भैया-भाभी के साथ मिलकर कर दी ससुर की हत्या

कवर्धा। जिले के कुकदुर थाना क्षेत्र के ग्राम कौवानार में गत 19 अप्रैल को हुई एक बुजुर्ग की निर्मम हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं सहित एक पुरूष को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इस हत्या को मृतक की बहु ने अपने भाई और भाभी के साथ मिल कर अंजाम दिया है। जिसके बाद पुलिस ने तीनो आरोपियों को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कौवानार बदना निवासी करीया मरकाम पिता मानसिंह मरकाम आयु 62 वर्ष का शव उनके घर से लगे खेत के कोठार में खटिया पर पड़ा है। मृतक के सिर एवं चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई गई। पूछताछ के दौरान मृतक की बहू द्वारा शुरू में गुमराह करने का प्रयास किया गया, किंतु पुलिस की सतत मेहनत, सूझबूझ एवं रणनीतिक पूछताछ के चलते बहू ने सच्चाई स्वीकार कर ली। आगे की पूछताछ में बहू के भाई पवन मरावी एवं उसकी पत्नी जैनवती मरावी ने भी हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

BEFORE THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR (CG)
CAVEAT APPLICATION NO. OF 2025 W.P. (S) NO. /2025

CAVEATORS PROPOSED RESPONDENTS	:	State of Chhattisgarh & Another
VERSUS		
NON-CAVEATOR PROPOSED PETITIONERS	:	Employees concerned holding the posts of Medical Specialist/ Medical Officer/ Dant Chikitsak within the Districts of the State

CAVEAT NOTICE

That the Caveator/Proposed respondents/State of Chhattisgarh looking to the Administrative Exigencies vide its order No. ESTB-102/176/2025-HEALTH SECTION-1, Nawa Raipur, Atal Nagar dated 24/04/2025 issued by the Under Secretary, Government of Chhattisgarh, Department of Public Health and Family Welfare, Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Atal Nagar, Nawa Raipur (CG) the Medical Specialist/ Medical Officer/ Dant Chikitsak within the Districts of the State have been transferred from one place to another from one District to another districts of the State. As such the Non- Caveators/proposed petitioner having locus may challenge the transfer order dated 24/04/2025 issued by the Under Secretary, Government of Chhattisgarh, Department of Public Health and Family Welfare, Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Atal Nagar, Nawa Raipur (CG). The Caveator/proposed respondents/State submits that in case, the non Caveators/proposed petitioners file a writ petition and an application for grant of interim relief before the Hon'ble High Court challenging the order dated 24/04/2025, then the Caveator/proposed respondents herein respectfully submits that they may be given an opportunity of hearing, prior to granting of any interim/protective order in favour of the non-Caveators/proposed petitioner. The address for notice to the Caveator is being given here-below:-

"The Advocate General,
State of Chhattisgarh,
High Court Premises,
Bodri, Bilaspur (CG)"

BILASPUR:
DATED: 25/04/2025

OFFICER-INCHARGE
(RAHUL TAMASKAR)
GOVERNMENT ADVOCATE
COUNSEL FOR THE CAVEATORS/
PROPOSED RESPONDENT/STATE

G-252600513/1

जंगली सूअर के शिकार में शामिल 4 आरोपी गिरफ्तार

पिथौरा। जंगली सुअर के शिकार मामले में वन विभाग अमले ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिथौरा परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपराखोल के आसपास जंगल में जंगली सुअर धान की फसल खाने के लिए आते थे। इसे देखते हुए आरोपियों ने सुअर का शिकार करने के लिए खेतों के चारों ओर करंट प्रवाहित तार बिछा दिया था। करंट लगने से एक जंगली सुअर की मौत हो गई। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर ग्राम खपराखोल निवासी भारत वनोत (उम्र 35 वर्ष, जाति तेली) एवं नरेश ठाकुर (उम्र 23 वर्ष, जाति गोंड) को गिरफ्तार किया। इनके खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 50, 51 के तहत अपराध क्रमांक 20660/12 दिनांक 23.04.2025 को दर्ज कर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस प्रकरण में अन्य आरोपी संतोष यादव, किसान पटेल एवं कुलकुल पटेल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-26-25-26, दिनांकः 21.04.2025.
कार्यः वरिष्ठ मंडल अभियंता/ मध्य/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुलों में स्टेनलेस स्टील चेकर्ड प्लेट का प्रावधान। निविदा मूल्यः ₹ 1,49,34,508.82. अमानत राशिः ₹ 2,24,700.00. कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 05.05.2025 के 11.00 बजे से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 19.05.2025 के 11.00 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/27 द.पू.म.रे., बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता, आदेश 5 नियम 1 और 5)
वाद क्रमांक 21/ई.सी.. एक्ट / 2024 (फेटल)
पेशी तारीखः 08/05/2025
श्रीमती पायल पटेल व अन्य विरुद्ध
एस.जे. पेट्रोकैम्स प्रा.लि. या ए.एस.जे. पेट्रोकम प्रा.लि. व अन्य
न्यायालय आयुक्त कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम श्रम न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
आवेदक श्रीमती पायल पटेल व अन्य
अनावेदक एस.जे. पेट्रोकैम्स प्रा.लि. या ए.एस.जे. पेट्रोकम प्रा.लि. व अन्य बनाम
(3) श्री राहुल पोद्दार उम्र 25 वर्ष पिता-गणेश पोद्दार, द्वारा श्रीमती शारदा पता-जी.ई.रोड बस स्टैण्ड चरोदा भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.) पिन-490025
क्योंकि वादी/आवेदक ने आपके विरूद्ध कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम के अंतर्गत प्रतिकर की राशि प्राप्त करने हेतु का वाद प्रस्तुत किया है, आपको इस समस द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में पेशी दिनांक 08 माह 05 सन 2025 को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर/अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया है कि आप उस दिनांक को अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके अभिरक्षा या शक्तियों में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपावन की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त बतायी गई पेशी तिथि को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
आज दिनांक 24-04-2025 को न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
(यशवन्त कुमार सारथी)
COMMISSIONER
मुहर for EMPLOYEES COMPENSATION ACT LABOUR COURT, DURG (C.G.)

हाईवे में एंबुलेंस की टक्कर से अज्ञात महिला की मौत

महासमुंद। एनएच 53 में एक एंबुलेंस की टक्कर से अज्ञात महिला की मौत हो गई। मामलेमें बसना थाने में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि 24 अप्रैल की रात करीब 1.05 बजे एनएच 53 मेन रोड संजय फैमिली रेस्टोरेंट के सामने ग्राम पर्रापाट के पास रोड एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी। इसके बाद डायल 112 स्टाफ द्वारा घटना स्थल पहुंचकर देखा गया कि एक अज्ञात महिला रोड में पडी थी, जिसका सिर कुचल गया था और उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। प्रथम दृष्टया अज्ञात महिला की मृत्यु सरायपाली से बसना की ओर आ रही एम्बुलेंस वाहन क्र एमएच 43 5347 के चालक द्वारा अपने वाहन को तेजी एवं उपेक्षापूर्ण चलाते हुए ठोकर मारकर एक्सीडेंट करने से होना पाया गया।

हरिभूमि क्लासिफाईड

epaper : www.haribhoomi.com

तलाश की नई सुबह

लघु विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.(RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीक उपकरण पंखे, आयरन, गीजर, मोटर, मिक्सी, वगैरा सुधारने वाला मिस्त्री वेतन चार अंको में या अनुभव के हिसाब से एस एस डी इलेक्ट्रिक मेन रोड पंडरी रायपुर जीवन बीमा मार्ग 9993455900.(RO-352)

गोडाऊन कीपर/लेबर

आवश्यकता है- गोडाऊन में कार्य हेतु 1 गोडाउन कीपर और 1 लेबर की । सोना ट्रेडिंग कंपनी, सांता स्वीट्स के पास, भनपुरी बाजार चौक, भनपुरी, रायपुर। संपर्क - 6266694683 (समय - 10 से 6) (RO-548)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

गन मैन/सर्विस मैन

Urgent Requirement- *Kumhari Toll Plaza**Kumhari Raipur* Gunman - Ex-Service Men S.I. – Graduate Exp. 5 Year Sup. - 12 Pass Exp. 3 Year. TC - 12 Pass, Exp. 1 Year. (MSCIT) E-Mail us on hr.toll@kccgroup.co within 5 Days.WhatsApp @ 9209021876.(RO-A)

स्वीपर

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्तिः चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाडू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें. मो.नं. 7225888800. (RO-6975)

फिल्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सिलतरा रायपुर हेतु, फिल्ड अधिकारी 4, सुपरवाइजर 16, सुरक्षा गार्ड 110, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई (5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर 7747000019, 7746000016, 7747000016.(RO-074)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में सामान छोडने, लाने हेतु लडको की आवश्यकता है। योग्यता,10 वी, 12 वी,स्वयं की बाईक अनिवार्य संपर्क करेः- रामा मेडिटेक ,गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर - 15/A, रायपुर 7089933233.(RO-572)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा, में रह कर काम कर सके वेतन 10,000/- + कमीशन + बोनस , रहना फ्री शीघ्र संपर्क करे - 6395268809, 7252820491.(RO-319)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, 18-30वर्ष लड़को की शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रहकर कार्य कर सके। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें-7611101122, 7611101133.(RO-328)

कारीगर

आवश्यकता है- कारीगर की आवश्यकता है लोवर बरमुडा वा टी-शर्ट लेडीज व जेंट्स नोट- थोड़ा बहुत भी सिलाई आता है वह भी आ सकता है पुराना बस स्टैंड पंडरी रायपुर मोबाइल- 7647931445, 7024556315.(RO-600)

आवश्यकता है- अनुभवी महिला/पुरूष कारीगर की आवश्यकता है पता - वस्त्र विन्यास , महोबा बाजार मो.न. - 9300037117, 9669000105.(RO-4181)

सिक्योरिटी/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- भारी संख्या में अतिशीघ्र सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752448013. (RO-37516)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ऑपरेटर/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य करने, कम्प्यूटर आपरेटर एवं फील्ड वर्क के लिए लड़कों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- ब्लू पावर एनर्जी इंद्रप्रस्थ कॉलोनी सरोना रोड रायपुर 7000370490.(RO-37549)

वेटर

आवश्यकता है- बार में कार्य हेतु अनुभवी वेटर की आवश्यकता है अनुभवी ही संपूर्ण बायोडाटा सहित संपर्क करें। विनार बार एंड रेस्टोरेंट लिंक 1 के के रोड रायपुर - मोबाइल :- 9713577672. (RO-7311)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने के लिए आठवीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करेः- जैन हार्डवेयर एंड टूल्स, बाम्बे मार्केट, रायपुर, 9229101124.(RO-398)

फिल्ड/ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- कोरियर में फिल्डकार्य हेतु बाइकर्स और टाटाएस मेहनती ड्राइवर, हेल्पर, कम्प्यूटरआपरेटर की आवश्यकता है। दरूवे ना आये। जीएमएस कोरियर ए-4, पगारिया काम्प्लेक्स, पुरानाबस स्टैंड, पंडरी रायपुर 9399676408. (RO-34)

मिस्त्री/हेल्पर

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, खाना देने एवं बर्तन धोने हेतु महिला, पुरुष की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937.(RO-37539)

क्लासीफाईड

सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, RAIPUR) मे काम करने के लिए मेहनती स्टाफ लड़का / लड़की की आवश्यकता एवं सेल्समेन की आवश्यकता है मो.7067048454. (RO-D)

ड्रायवर/चौकीदार

आवश्यकता है- ड्राइवर- ऑटोमेटिक लग्जरी कार हेतु घरेलू गार्ड/ चौकीदार/ पियुन/ कुक घरेलू महिला सभी अनुभवी योग्य व्यक्ति चाहिए रहने रूम उपलब्ध है सम्पर्कः- हीरापुर रायपुर व्हाट्सएप 6266919193.(RO-066)

वार्डन

आवश्यकता है- अनुभवी वार्डन चाहिए। जैन गर्ल्स हॉस्टल पचपेड़ी नाका रायपुर के लिए शाकाहारी, कंप्यूटर की जानकारी 24 घंटे रहने वाली नशा मुक्त महिला वार्डन, रहने खाने की व्यवस्था है। संपर्क करें- 8959906595.(RO-7372)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी ,को इन्डस्ट्रियल एरिया भिलाई के लिए सिक्योरिटी गार्ड की, सैलरी 12000 से 14000 रहने की सुविधा फ्री EPF and ESIC लागू, संपर्क करें - 8839341810 & 9993335387.(RO-7315)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- न्यु राजेन्द्र नगर रायपुर मेन रोड में 3 बेडरूम अटैच लेटबाथ, 1 ड्राइंग रूम 1 हॉल ओपन किचन 2 बालकनी सेमी फर्निश बेचना है। संपर्क करें - 9755387592.(RO-M)

क्लासीफाईड

मकान

मकान बेचना है- प्लाट साइज- 60x24 = 1440 कंस्ट्रक्शन एरिया- 3550 किराया- 30,000/- माह (तीनफ्लोर) वॉलफोर्ड के समीप रिंग रोड नंबर -01, भाटागांव रायपुर (नए बस स्टैंड के समीप) मूल्य- 90 लाख मो. नंबर 9575086006.(RO-7313)

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाज़ा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्वसुविधायुक्त प्लाट – विकसित क्लोज़्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। संपर्कः- 7247006610, 7247006609 (आरो न.-7174)

For Rent किराया

किराये से देना है- 3BHK का मकान किराये से देना है। 24 घंटा पानी की सुविधा उपलबध है। पताः- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर, दुर्ग मो.- 94252-46386, 70003-43771 (आरो नं.-731)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूरी जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजों और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82/ 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित हायर सेकेण्डरी, ग्रेजुएट, अविवाहित सजातीय हिन्दू जाति बंधन नहीं, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह। 9131453175

मैरिज ब्यूरों

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वारांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें 9131455917

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare
गुप्त रोगो का सफल ईलाज
- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पत्ति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

जैकेट के शेष

लंबा खिंचेगा आपरेशन, ...

सुजाता, कट्टाराम चन्द्र रेड्डी, विकल्प, विज्जो, उर्मिला, गंगा, मंगड्डू, अभय के अलावा दंडकारण्य जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) पापाराव व देवा की भी मौजूदगी है। यह नक्सलियों के थिंक टैंक माने जाते हैं। फोर्स ने इनके साथ बड़ी संख्या में पहाड़ी पर मौजूद नक्सलियों पर शिकंजा कस दिया है। मौके पर तैनात जवान कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, भीषण गर्मी व अन्य चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद डटे हुए हैं।भारी गर्मी के चलते कुछ जवान डिहाइड्रेशन का शिकार हो गए हैं, जिन्हें सेना के हेलीकॉप्टर से अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है तथा उनकी जगह दूसरे जवानों को एक्सचेंज किया जा रहा है।

इसलिए लंबा खिंचेगा नक्सल आपरेशन : सूत्रों के अनुसार नक्सलियों के पास एक महीने तक का राशन है। साथ ही बारह माह नाला पहाड़ी के उपर होने से पानी की कमी नहीं होगी। लेकिन नक्सलियों की संख्या बहुत ज्यादा है। इसी तरह शिकंजा कसता रहा तो कुछ दिनों में नक्सलियों के सामने खाने के लाले पड़ना लाजमी है। साथ ही मानसिक और शारीरिक दबाव भी नक्सलियों पर होगा। जिसके बाद मरो या सरेंडर करो की स्थिति निर्मित हो सकती है।

फोर्स पहुंची गुफा तक - बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ पिछले 5 दिनों से चल रहे ऑपरेशन के बीच जवानों को एक बड़ी सफलता हांथ लगी है। जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में कामयाब हो गए, पर ऐसा लग रहा है कि जवानों के पहुंचने से पहले ही नक्सलियों ने अपना ठिकाना बदल दिया था,क्योंकि यहां नक्सलियों के मौजूदगी के निशान भी मिले हैं,बताया जा रहा है कि इस गुफा में आराम से एक हजार से अधिक लोग कई दिनों तक पनाह ले सकते हैं। गुफा में पानी से लेकर आराम करने की भी सुविधा है, गुफा के अंदर ही एक बहुत बड़ा मैदान भी मौजूद है,ऑपरेशन के दौरान जवानों द्वारा बरामद नक्सलियों के इस गुफा की तस्वीर हरिभूमि और आईएनएच के साथ साझा की।

ड्रोन से रखी ....

सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीएएफ, बस्तर फाइटर व अन्य सुरक्षाबल शामिल है। लगभग 150 किमी इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार तैनात जवानों को एक्सचेज किया जा रहा है। पांचवे दिन भी अलग अलग इलाकों में रुक रुककर फायरिंग होती रही लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दबाव और दहशत ...

जाने का उल्लेख करते हुए शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के हिस्से के जल के प्रवाह को रोकने, कम करने या दूसरी ओर मोड़ने के किसी भी प्रयास का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। शरीफ ने कहा कि अगर भारत ने उसके (पाकिस्तान के) हिस्से का पानी रोका, तो वह सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा, जल हमारी जीवन रेखा है और हमारा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित है तथा इसकी उपलब्धता को हर कीमत पर और हर परिस्थिति में सुरक्षित रखा जाएगा। शरीफ ने कहा कि मुल्क की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिये समूचा देश पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, हमारे बहादुर सशस्त्र बल सक्षम हैं और देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी दुस्साहस का सामना करने को पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमारे सशस्त्र बल वीरता, अनुकरणीय अनुशासन और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा, शांति हमारी प्राथमिकता है, लेकिन इसे हमारी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। **टीआरएफ का यू टर्न, हमले में भूमिका से इंकार** : पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अपनी भूमिका से इंकार किया है। इससे पहले उसने इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

सेना की गतिविधियों के ....

उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा-संबंधी अभियानों से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय पूरी जिम्मेदारी से काम लें और मौजूदा कानूनों और नियमों का कड़ाई से पालन करें। परामर्श में यह भी कहा गया है कि संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से अनजाने में शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और परिचालन प्रभावशीलता तथा कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। परामर्श में करगिल युद्ध, 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण जैसी पिछली घटनाओं का हवाला दिया गया, जब अबाधित कवरेज से राष्ट्रीय हितों को लेकर प्रतिकूल परिणाम सामने आये थे।

पाक रक्षामंत्री ने ....

छत्तीसगढ़ में जारी नक्सली हिंसा की ओर था वह इसे ही बगावत बता रहे थे। ख्वाजा आसिफ ने कहा- पाकिस्तान का इससे कोई ताल्लुक नहीं है।

भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा ....

पर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक दंपति शामिल है। 48 करोड़ रुपए से ज्यादा के भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला के आरोप में केदार तिवारी, उसकी पत्नी उमा तिवारी के साथ कारोबारी हरमीत सिंह खनूजा तथा विजय जैन को गिरफ्तार किया गया है। छापे की कार्रवाई के दौरान इन चारों आरोपियों के निवास से घोटाले से जुड़े कई अहम दस्तावेज के साथ डिजिटल साक्ष्य जांच टीम के हाथ लगे हैं। जब्त दस्तावेज के आधार पर चारों से पूछताछ करने ईओडब्लू ने उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट से पुलिस रिमांड हासिल किया है।

जमीन दलाल के माध्यम से अधिग्रहण : भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाले की जांच में जो बात सामने आई है, उसके मुताबिक जमीन का अधिग्रहण जमीन दलालों के माध्यम से किया गया है। जमीन दलालों ने अफसरों से मिलीभगत कर जमीन को टुकड़ों में बांटकर फर्जी लोगों के नाम चढ़वाने का काम किया।

अन्य पर जल्द ...

करने के बाद आरोपियों से पूछताछ के आधार पर घोटाले में शामिल अन्य ऐसे लोग जिनका नाम अब तक सामने नहीं आया है, उनके बारे में जानकारी जुटाकर कार्रवाई करेगी।

मुख्य अभियंता सहित ....

रुपए की लागत से एयरपोर्ट की तरह बनाने का ठेका बिलासपुर के जगमल चौक स्थित झांझरिया निर्माण लिमिटेड को दिया गया है। झांझरिया निर्माण लिमिटेड का स्टेशन डेवलपमेंट के अलावा रेलवे लाइन बिछाने से लेकर कंट्रक्शन, ब्रिज बनाने का काम है। आरोप है कि निर्माण कंपनी को काम दिलाने में जोन के कई बड़े अफसर भी शामिल हैं, वो भी सीबीआई के निशाने पर हैं। रिश्वत कांड में ऐसे अफसर भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। सीबीआई के अनुसार चीफ इंजीनियर 21 अप्रैल को झांझरिया निर्माण लिमिटेड के ऑफिस में सुशील झांझरिया से मिले थे। उन्होंने कंपनी के रेलवे का करोड़ों रुपए का ठेका दिलाने की एवज में 32 लाख रुपए घूस मांगी थी। विशाल ने घूस की रकम सीधे लेने के बजाय रांची में अपने भाई कुणाल आनंद को देने कहा। यह जानकारी मिलते ही सीबीआई ने इन्हें घेरने का प्लान बनाया।

नाबालिग के ब्रेस्ट ....

आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के ऐसे ही कमेंट को असंवेदनशील बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। 19 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कहा था- नाबालिग के ब्रेस्ट पकड़ना, पायजामे का नाड़ा तोड़ना या घसीटकर पुलिया के नीचे ले जाने की कोशिश रेप नहीं है। 26 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह बहुत गंभीर मामला है। हमें यह कहते हुए बहुत दुख है कि फैसला लिखने वाले जज में संवेदनशीलता की पूरी तरह कमी थी। इस पर रोक लगाते हैं।

महुआ बीनने निकली 8वीं की छात्रा हुई लापता, अगले दिन मिली नग्न लाश

गले, चेहरे पर धारदार हथियार के निशान, दुष्कर्म के बाद हत्या की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

शनिवार को सूरजपुर जिले से एक बार फिर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिले के रामानुजनगर थाना अंतर्गत सेंदरी जंगल में नाबालिग छात्रा की नग्न अवस्था में लाश मिली है। मृतका के शरीर, गले पर धारदार हथियार से वार के निशान है। इसके साथ ही परिस्थितियों को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है और दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या की गई। नाबालिग घर से महुआ बीनने के लिए जंगल गई थी और उसके बाद से लापता थी। घटना की सूचना मिलने के बाद एसएसपी के साथ ही पुलिस के अधिकारी, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची थी। फिलहाल पुलिस द्वारा लाश को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया गया है और घटना की जांच की जा रही है। इस घटना से क्षेत्र में शोक के साथ ही आक्रोश का माहौल है। रामानुजनगर थाना अंतर्गत रहने वाली 14 वर्षीया नाबालिग कक्षा 8वीं की छात्रा थी।

चल रही है जांच

लापता नाबालिग की लाश मिली है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम फॉरेंसिक व स्नीफर डॉग के मध्य से मामले की जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मामले की जांच चल रही है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- प्रशांत कुमार ठाकुर, एसएसपी

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – **RDD/SD/CHAIBASA/18/2024-25 (3rd Call) (MMGSY)**

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिला के सदर प्रखण्ड अन्तर्गत गाईसुटी पंचायत के ग्राम कांकी से गिंडीमुण्डी जाने वाली रास्ते में रोरो नदी पर पुल निर्माण।	43078800.00	862000.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 02.05.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 02.05.2025 से दिनांक 08.05.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –.10.05.2025 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 8709623131 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा खोलने की तिथि से 5 दिनों के अन्दर निविदादाता द्वारा अपनी आपत्ति/दावा दर्ज कराये अन्यथा अवधि बीतने के पश्चात् कोई भी आपत्ति /दावा मान्य नहीं होगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
12. किसी भी समय बिना सूचना के निविदा रद्द एवं किसी भी प्रकार का संशोधन करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा एवं इस पर किसी प्रकार का दावा एवं आपत्ति मान्य नहीं होगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा

PR 351179 (West Singhbhum)25-26*D

पेज एक के शेष

सांसद राजीव शुक्ला ने...

से सबसे ज्यादा कार्यों को स्वीकृत कराने प्रस्ताव भेजने में केटीएस तुलसी सबसे आगे हैं। उन्होंने 201 कार्यों को मंजूरी देने के प्रस्ताव योजना एवं सांख्यिकी विभाग को भेजे हैं। इन कार्यों में कुल 13 करोड़ 18 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। वहीं सांसद राजीव शुक्ला ने केवल दो कार्य को ही मंजूरी दी है। ये दोनों कार्य में 5 करोड़ 70 लाख रुपए खर्च होंगे। श्री शुक्ला ने जिन दोनों कार्य का प्रस्ताव दिया है वे दोनों सार्वजनिक डिजिटल पुस्तकालय से संबंधित हैं। इनमें एक कार्य दुर्ग जिले के जामुल में डा. मनराखनलाल साहू शासकीय महाविद्यालय के पास 2 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक सार्वजनिक डिजिटल पुस्तकालय को मंजूरी दी हैं, वहीं कांकेर में भी 3 करोड़ की लागत से डिजिटल पुस्तकालय का निर्माण होगा। इसके अलावा सांसद रंजीत रंजन ने 193 कार्यों को स्वीकृति दी है, जिसमें 14 करोड़ 47 लाख रुपए खर्च होंगे। सांसद फुलोदेवी नेताम ने भी 154 कार्यों स्वीकृति दी है, जिसमें 16 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति खर्च होगी। सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने अभी तक एक भी कार्य को स्वीकृति नहीं दी है, जिसके कारण वे सबसे पीछे हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर...

स्वीकृति दी गई है, वहीं सीसी मल्टी जिम उपकरण की खरीदी के लिए भी दर्जनों कार्यों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा पुलिया, रोड निर्माण, सार्वजनिक शौचालय, मर्चूरी फ्रिजर आदि कार्य भी शामिल हैं।

स्कूल-छात्रावास में...

एवं छात्रावासों में बच्चों को मिलने वाली शैक्षणिक एवं पेयजल जैसी सुविधाओं पर रहा है। इसके तहत उन्होंने स्कूलों में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सहित आईटी सिस्टम की खरीदी से लेकर स्कूल एवं छात्रावासों में आरओ वाटर की स्थापना, बोरवेल-ट्यूबवेल संबंधित मांगों को प्राथमिकता देते हुए दर्जनों कार्यों को मंजूरी दी हैं। उन्होंने प्रदेश के कबीरधाम, सरगुजा, बिलाईगढ़, गौरेलापेंड्रामरवाही, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, जशपुर जैसे जिलों में विभिन्न कार्यों को मंजूरी दी है।

सामुदायिक पेयजल संयंत्रों की...

निर्माण एवं पेयजल संयंत्रों की स्थापना संबंधित आवेदन किए गए थे। लोगों की जरूरत को देखते हुए सांसद ने ऐसे दर्जनों कार्यों को मंजूरी देते हुए इन कार्यों के लिए सबसे ज्यादा राशि को मंजूरी दी है। हालांकि इसके अलावा उन्होंने चूबतरा निर्माण, खेल मैदान, टटबंध निर्माण, मल्टीजीम उपकरण, 18वाट के सोलर लाईट जैसे कार्यों को भी स्वीकृति दी हैं।

कांकेर में कैसे बनेगी...

से जारी हुई राशि सात माह बाद भी एकलव्य विद्यालय भानुप्रतापपुर के छात्रावास में बनने वाली लाइब्रेरी के लिए नहीं पहुंच पाई है। विद्यालय के प्राचार्य लखन जुर्री से इस विषय पर बात की गई, तो उनका कहना था कि इस तरह की कोई राशि हमारे पास आज तक नहीं मिली है। मैं कल भी रायपुर गया था और विद्यालय में कई तरह की समस्याएं है, परंतु उनका आज तक निराकरण नहीं किया गया है।

आयुक्त ने भी कहा-नहीं मिली कोई राशि : इस विषय पर आदिवासी विकास विभाग के आयुक्त जया मनु का कहना है कि इस तरह की किसी भी तरह की कोई राशि नहीं मिली है। सात माह के बाद भी सांसद कोटे से राशि नहीं मिलने और फाइल कहां पर रुकी हुई है, इसके बारे में अफसरों को भी किसी भी तरह की कोई जानकारी नहीं है। सांख्यिकी विभाग से सोमवार को ही खुलासा हो पाएगा कि यह फाउल कहां पर किस कारण से रुकी हुई है और अभी तक पैसा संस्थान को क्यों नहीं मिल पाया है।

जामुल कॉलेज परिसर में...

इस डिजिटल लाइब्रेरी को शासकीय स्कूलों से भी जोड़ा जाएगा, जिसमें स्मार्ट क्लास से जुड़कर स्टूडेंट्स इस लाइब्रेरी का लाभ उठा सकेंगे। इस प्रकार स्कूल में ई-डिजिटल लाइब्रेरी का कंटेंट मिल सकेगा। इसकी सुविधा हार्ड डिस्क से होगी। विभाग की ओर से जिन स्कूलों में कंप्यूटर, स्मार्ट क्लास सहित अन्य सुविधाएं हैं, उन जगहों पर सबसे पहले ई-लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी। वहां स्टूडेंट्स के लिए ई-कंटेंट से पढ़ने की सुविधा मिल सकेगी। इस लाइब्रेरी के लिए करीब 10 हजार वर्गफिट की जगह आरक्षित की गई है। जल्द ही निविदा प्रक्रिया से लेकर अन्य कार्य शुरू किए जाने हैं।

छह महीने की...

गए चालान में उल्लेख किया गया है कि खरीदी की प्रक्रिया का मजाक बनाया गया। मोक्षित कार्पोरेशन से मिले कमीशन के लालच में सारे नियमों को दरकिनार कर दिया गया। 15 वें वित्त आयोग द्वारा स्वीकृत हमर लैब के लिए आवश्यक खरीदी के नाम पर खेल शुरू हुआ। खरीदी की प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए डीपीडीएमआईएस साफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है मगर इस घोटाले को अंजाम देने के लिए इसका उपयोग नहीं किया। साजिश को अंजाम देने के लिए बिना डीएचएस की जानकारी के डा. अनिल परसाई ने राज्य स्तरीय समिति का गठन कर खरीदी के लिए सहमति हासिल की।

161. 29 करोड़ के रीएजेंट एक्सपायर : मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऐसे रीएजेंट की सप्लाई की गई जिसका उपयोग जिला अस्पताल में भी बेहद कम होता है। इसके साथ ही वहां रीएजेंट रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। इसकी वजह से 5 अप्रैल 2025 तक कुल 161.29 करोड़ के रीएजेंट एक्सपायर हो गए। इसमें स्वास्थ्य केंद्रों में रखे-रखे 95.12 करोड़ के रीएजेंट बरबाद हुए और शेष यानी 66.17 करोड़ के रीएजेंट सीजीएमएससी के गोदाम में खराब हो गए।

अगली सुनवाई 10 जून को : स्वास्थ्य विभाग से संबंधित इस महाघोटाले की अगली सुनवाई 10 जून को होगी। मामले में ईओडब्लू ने अब तक मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा, सीजीएमएससी से जुड़े कमलकांत पाटनवार, बसंत कुमार कौशिक, क्षिरोद्र रौतिया, दीपक कुमार तथा स्वास्थ्य संचालनालय से जुड़े डा. अनिल परसाई को गिरफ्तार किया गया है, सभी आरोपी फिलहाल जेल में हैं।

बजट ही नहीं...

एनालाइजर, यूरिन एनालाइजर सेमी आटोमैटिक, बायोकेमेस्ट्री एनालाइजर, इलेक्ट्रलिटी एनालाइजर खरीदा गया। इसके रीएजेंट किट की एमआरपी कुल 50 करोड़ 46 लाख थी जिसे मोक्षित कार्पोरेशन से 103 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा यानी शासन को 52 करोड़ 64 लाख से अधिक का नुकसान हुआ।

जंगल में गए थे...

साथ ही कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बता दें कि बलरामपुर जिले के डिंडो चौकी अंतर्गत ग्राम बेलसर निवासी 40 वर्षीय राजेन्द्र पंडो, 18 वर्षीय मुकेश आयाम व अन्य ग्रामीण 25 अप्रैल की दोपहर जंगली सूअर का शिकार करने के लिए पास में मौजूद बिमलापुर बेलकोता जंगल में गए हुए थे। जंगल में शिकार के लिए ग्रामीण भरमार बंदूक और अन्य अवैध हथियार लेकर गए हुए थे। शिकार के दौरान सभी ग्रामीण अलग अलग होकर शिकार की तलाश कर रहे थे। संभावना जताई जा रही है कि जंगल में झाड़ियों के बीच से सरसराहट की आवाज आने पर राजेन्द्र पंडो ने भरमार बंदूक से गोली चला दी।

अदालत के आदेश पर...

पिटाई का किए जाने वाला वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है। गरियाबंद के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत थाना अमलीपदर क्षेत्र में न्यायालय के आदेश पर जमीन का कब्जा दिलाने मूढ़गेलमाल के माहुलपारा पहुंचे कोर्ट कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 24 अप्रैल की है, जब आदेशिका वाहक रामराव सोलंके जमीन कब्जा से संबंधित न्यायालयी कार्रवाई के तहत मौके पर पहुंचे थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – **RDD/SD/CHAIBASA/07/2024-25(2nd Call)**

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पश्चिमी सिंहभूम जिला के मनोहरपुर प्रखण्ड अन्तर्गत कोलपोटका पंचायत के ग्राम कुर्थाबेड़ा में चर्च के सामने पुल निर्माण।	31470600.00	630000.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 02.05.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 02.05.2025 से दिनांक 08.05.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,पश्चिमी सिंहभूम,चाईबासा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 10.05.2025 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 8709623131 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा खोलने की तिथि से 5 दिनों के अन्दर निविदादाता द्वारा अपनी आपत्ति/दावा दर्ज कराये अन्यथा अवधि बीतने के पश्चात् कोई भी आपत्ति /दावा मान्य नहीं होगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
12. किसी भी समय बिना सूचना के निविदा रद्द एवं किसी भी प्रकार का सं ोधन करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा एवं इस पर किसी प्रकार का दावा एवं आपत्ति मान्य नहीं होगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/– कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।

PR.NO.351176 West Singhbhum(25-26):D

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology (CIPET)
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
प्लॉट नं. 48, औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी, भनपुरी, रायपुर (छ.ग.), पिन: 493221
फोन. नं. 0771-6673060, 6673030, ई-मेल : raipur@cipet.gov.in

उभरते क्षेत्र प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा

AICTE Approved

ADMISSION - 2025
Diploma & Post Graduate Diploma Courses

Excellent Placement Record

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्षों में)	प्रवेश पात्रता
1	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी.)	3	10 वीं कक्षा
2	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी.)	3	10 वीं कक्षा
3	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पी.जी.डी.–पी.पी.टी.)	2	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री

उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।
उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम AICTE, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है

✓ आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 29.05.2025

Visit - www.cipet.gov.in
विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क अथवा क्यू आर कोड स्केन करें:
रायपुर ➡ 7000894929, 8806578649, 8770169890, 9158232253
कोरबा ➡ 8966000083, 8878607667, 9399227305, 9422802207
Scan for Apply

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, रॉंची

First PR No. 342157

द्वितीय अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–LAB/DWSD/22/2024-25 दिनांक– 26.04.2025

1	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, रॉंची।
2	वेबसाइट में निविदा प्रकाषन की तिथि एवं समय	दिनांक 28.04.2024 पूर्वाह्न 11.00 बजे से।
3	ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय.	दिनांक 05.05.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4	ई–निविदा खोलने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 07.05.2025 पूर्वाह्न 11.00 बजे।
6	ई–निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, डोरण्डा, रॉंची–02।
7	ई–मेल	dwsdhatiaproject@gmail.com
8	निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष	9204931335

कार्य की विस्तृत विवरणी:-

क्र० सं०	कार्य का नाम	अग्रधन की राषि	परिमाण विपत्र का मूल्य
1	Request Proposal for supplying field test kit (FTKs) Ranchi zone in 18 nos. of Divisions (Chatra, Garhwa, Gumla, Hazaribagh, Khunti, Jhumritiliya, Latehar, Lohardaga, Medninagar, Chaibasa, Chakardharpur, Jamshedpur, Adityapur, Ramgarh, Ranchi West, Ranchi East, Saraikela, Simdega And State Lab Ranchi)	6,10,000/-	10000/-
2	Request Proposal for supplying field kit (FTKs) for Dumka Zone in 14 nos. of Divisions (Tenughat, Chas, Deoghar, Madhupur, Dhanbad,-1, Dhanbad-2, Dumka-1, Dumka-2, Giridih-1, Giridih-2, Godda, Jamtara, Pakur, Sahibganj)	6,00,000/-	10,000/-

NB:- For Details
1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई–गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रॉंची के आदेश सह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान सम्वेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही सम्वेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी है।
4. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http//:jharkhandtenders.gov.inपर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, हटिया योजना, रॉंची

PR 351161 (Drinking Water and Sanitation)25-26*D

राशिफल

मेष – धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष – वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह – सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या – किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर – व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ – मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन – परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 5849

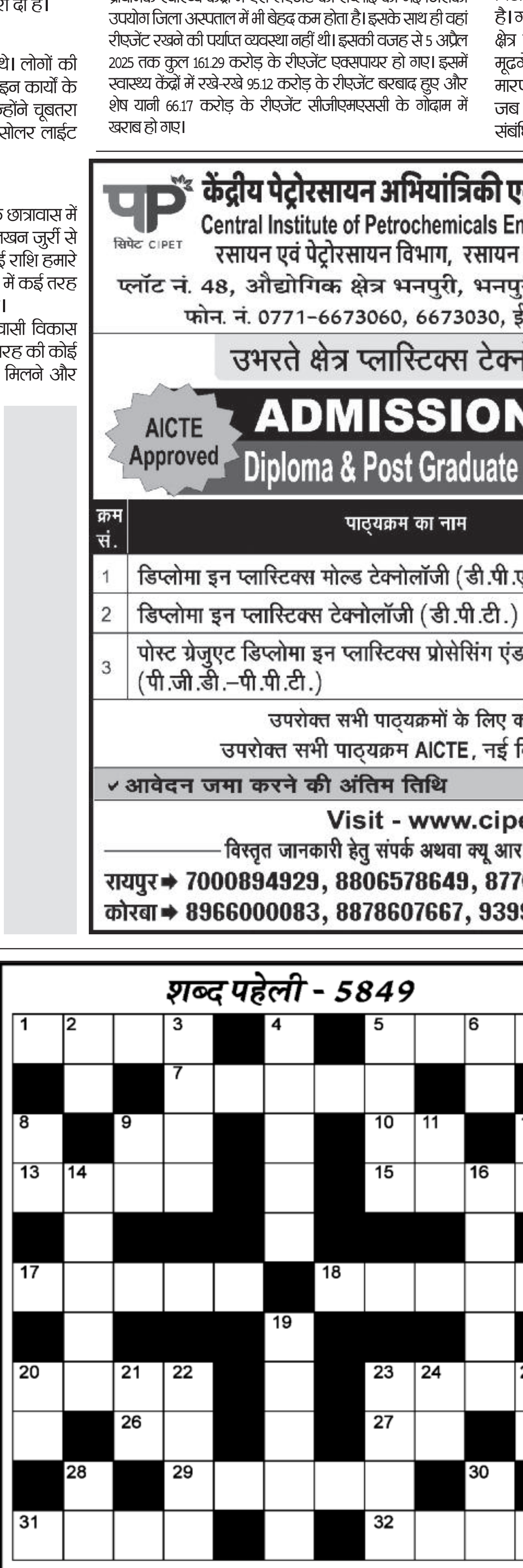

बाएँ से दाए-
1. सफल, उत्तीर्ण-4
5. ओस, रजनीजल-4
7. फरार होना, चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना, मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु, चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट, अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण, सम्राट-4
32. गजानन, गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां, आई, मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता, रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार, जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन, प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ, उपनयन संस्कार-5
19. विलेन, नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम, मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट, अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास, बंधन-2

शब्द पहेली -5848 का हल

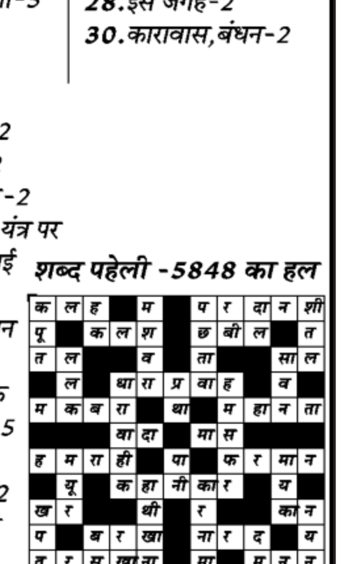

सूडोकू नवताल - 5859

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5858 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

दंपति के लिए खास स्कीम, हर साल एक लाख से ज्यादा होगी इनकम

पोस्ट ऑफिस एमआईएस में वन टाइम करना होगा डिपॉजिट ● सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट के जरिए 15 लाख तक जमा कर सकते है जमा

रिटर्न
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में अकाउंट खोलने के लिए कम से कम 1000 रुपये निवेश जरूरी, जिसके बाद 1000 रुपये के मल्टीपल में जमा हो सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट में अधिकतम 9 लाख रुपये और ज्वॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में हर होल्डर का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इसमें बेनीफिट भी अच्छा मिलता है। यह स्कीम आपके भविष्य के लिए बेहतर हो सकती है।

अगर आप शादीशुदा हैं और रेगुलर इनकम के लिए किसी अच्छी स्कीम की तलाश में हैं तो ध्यान दें। आप सरकारी स्कीम की तरह एक ज्वॉइंट अकाउंट खुलवाकर कर साल 1 लाख 10 हजार रुपये (1.10 लाख रुपये) की इनकम कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) के बारे में। आकर्षक ब्याज दरों के साथ, पोस्ट ऑफिस का यह मंथली इनकम अकाउंट निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है। इस स्कीम में वन टाइम डिपॉजिट करने पर रेगुलर इनकम का लाभ मिलता रहता है।

ब्याज दर 7.4% सालाना

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकांट पर मौजूदा ब्याज दर 7.4 फीसदी सालाना है। इसमें अब सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट अकाउंट के जरिए अधिकतम 15 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम अकाउंट सरकार द्वारा समर्थित स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जहां गारंटीड रिटर्न मिलता है। पोस्ट ऑफिस की योजना है तो इसमें 100 फीसदी सुरक्षा की गारंटी है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ ही स्पाउस के साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की भी सुविधा है।

हर माह कितनी आएगी रकम

ज्वाइंट अकाउंट में

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- ज्वॉइंट अकाउंट से अधिकतम निवेशः 15 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 1,11,000 रुपये
- मंथली ब्याजः 9250 रुपये

अगर सिंगल अकाउंट हो तो

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- सिंगल अकाउंट से अधिकतम निवेशः 9 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 66,600 रुपये
- मंथली ब्याजः 5550 रुपये

मैच्योरिटी के बाद एक्सटेंड कर सकेगे

इस स्माल सेविंग्स स्कीम पर 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें जमा पैसों पर जो भी सालाना ब्याज होता है, उसे 12 हिस्से में बांट दिया जाता है, और वह हर महीने आपके अकाउंट में आएगा। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में रहेगी और मूलधन के साथ इस धन को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। इस स्कीम की मैच्योरिटी 5 साल है, लेकिन 5 साल बाद नए ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

क्या है स्कीम के लिए योग्यता

- बालिग के नाम से सिंगल अकाउंट
- ज्वॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 एडल्ट मिलकर) (ज्वॉइंट A या ज्वॉइंट B)
- माइनर के नाम पर उसका गार्जियन अकाउंट खोल सकता है
- 10 साल का माइनर है तो उसके नाम से

क्या है पीओएमआइएस

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी पीओएमआइएस में आपको एकमुश्त निवेश करना होता है। उसी पर आपको ब्याज दर का फायदा मिलता है। इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपको 5 सालों तक ब्याज का लाभ मिलता रहता है। मंथली इनकम स्कीम डाकघर की एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम में सिंगल और ज्वाइंट दोनों तरह से अपना खाता खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने पर आपको वर्तमान में 7.4 प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है।

सोने में तेजी से गोल्ड ईटीएफ का चला जादू, चौंका रहा रिटर्न

यह मिलता रिटर्न

अगर किसी ने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में हर महीने 10,000 रुपये का एसआईपी किया होता, तो उसे एक साल में 54.35% का रिटर्न मिलता। वहीं, एसबीआई निफ्टी 50 ईटीएफ में इतना ही निवेश करने पर सिर्फ 2.93% रिटर्न मिलता। अन्य 16 गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में 48.32% से 54.85% तक का रिटर्न दिया है। एक्सिस गोल्ड ईटीएफ ने 54.85% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 48.32% का रिटर्न दिया है।

बाकी ईटीएफ का क्या हाल

15 निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% से 3.03% तक का रिटर्न दिया। इनमें क्वांटम निफ्टी 50 ईटीएफ एफओएफ ने 3.03% और इनवेस्को इंडिया निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% का रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि सोने में उतार-चढ़ाव अभी जारी रहेगा। जोखिम उठाने वाले निवेशक इस तेजी का फायदा उठा सकते हैं, जबकि सावधानी बरतने वाले निवेशक गिरावट का इंतजार कर सकते हैं।

आगे मजबूती या गिरावट

एक अन्य फर्म का कहना है कि कि सोने की कीमतें अगले कुछ महीनों में मजबूत बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना, ब्याज दरों में कमी की उम्मीद, डॉलर का कमजोर होना, महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता (टैरिफ से जुड़े जोखिम सहित) और ईटीएफ में निवेश बढ़ने से सोने की कीमतों को सहारा मिल रहा है। फंड हाउस ने आगे कहा, हालांकि थोड़े समय के लिए कीमतों में गिरावट आ सकती है, लेकिन लंबे समय के लिए सोने की कीमतें मजबूत रहने के संकेत है। एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में गोल्ड ईटीएफ से 77 करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि फरवरी में 1,979 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 14,852 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 183% अधिक है। मार्च में गोल्ड ईटीएफ में उलटफेर देखने को मिला, जिसमे फरवरी के 1,979.84 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले 77.21 करोड़ रुपये की निकासी हुई। ये मुनाफा वसूली के लिए हुआ।

मुख्य विशेषताएं

1. **सोने की कीमत के साथ जुड़ा :** गोल्ड ईटीएफ की कीमत सोने की कीमत के साथ जुड़ी होती है, इसलिए निवेशकों को सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव का लाभ मिल सकता है।
2. **एक्सचेंज पर ट्रेडिंग :** गोल्ड ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकता है, जैसे कि शेयर।
3. **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से निवेशकों को लिक्विडिटी का लाभ मिलता है, क्योंकि वे अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
4. **पारदर्शिता :** गोल्ड ईटीएफ की कीमतें और होल्डिंग्स पारदर्शी होती हैं, जिससे निवेशकों को अपने निवेश के बारे में जानकारी मिलती है।

ऐसे करता है काम

- **भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व :** गोल्ड ईटीएफ एक यूनिट के रूप में भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करते हैं, आमतौर पर एक ग्राम सोने के बराबर।
- **स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार :** इन फंड्स को शेयर बाजार में खरीदा और बेचा जा सकता है, जैसे कि अन्य स्टॉक।
- **निवेश का सरल तरीका :** यह सोने में निवेश करने का एक आसान और सुलभ तरीका है, क्योंकि भौतिक सोना खरीदने, रखने और सुरक्षित करने की तुलना में यह सरल है।
- **कम अस्थिरता :** गोल्ड ईटीएफ, इक्विटी की तुलना में कम अस्थिर होते हैं।
- **सुरक्षा :** भौतिक सोने के रूप में, यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ एक बचाव के रूप में काम कर सकता है।
- **निवेश :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए, आपको एक डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलना होगा। इसके बाद आप अपनी निवेश की यात्रा शुरू कर सकते हैं और समय आने पर बढ़िया मुनाफा भी कमा सकते हैं। निवेश का लंबा लक्ष्य बनाकर चलें। सो ने में आई तेजी ने कई फंड में भी तेजी ला दी है। पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को काफी पीछे छोड़ दिया है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने में और तेजी बनी रह सकती है। वहीं, कुछ जानकारों के मुताबिक इसकी कीमत में कुछ गिरावट की भी उम्मीद है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो अच्छे रिटर्न के लिए आपको अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। सोने में तेजी से इससे जुड़े फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमतें इस समय एक लाख के आसपास चल रही है। मंगलवार को तो 1800 रुपये का उछाल आया और 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निवेशकों को चमका दिया है। यानी निवेशकों को भरपूर रिटर्न मिल रहा है। ऐसे में निवेशक अब सोने की तरफ अग्रेसित हो रहे हैं।

कुछ टिप्स अपनाएं और घटाएं होम लोन की ईएमआई का बोझ

हर किसी का मन होता है कि अपने सपनों का घर खरीदे, लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में लोग होम लोन का सहारा लेते हैं और होम लोन की ईएमआई हर महीने भरना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। होम लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यक्तियों को घर खरीदने या बनाने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण आमतौर पर बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है और इसकी अदायगी कई वर्षों में की जाती है। अगर आप होम लोने के बोझ को कम करना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स को अपनाकर राहत पा सकते हैं। हालांकि होम लोन लेने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने वित्तीय स्थिति और ऋण की शर्तों को ध्यान से समझें और अपने निर्णय के बारे में सुनिश्चित हों।

डाउन पेमेंट का रखें ध्यान

जब आप घर खरीदते हैं, तो जितना अधिक पैसा शुरू में डाउन पेमेंट के लिए देंगे, उतना ही कम लोन की ईएमआई देना पड़ेगा। कम लोन ईएमआई का मतलब आपको कम ब्याज भी देना होगा। इसलिए, कोशिश करें कि शुरुआत में ही ज्यादा से ज्यादा रकम जमा करें।

लोन की अवधि बढ़ाएं

अगर आपकी मंथली सैलरी कम है, तो आप लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं। हालांकि, इससे कुल ब्याज बढ़ सकता है, लेकिन मासिक किस्तें कम हो जाएंगी, जिससे आपकी जेब पर कम दबाव पड़ेगा।

समय-समय पर प्री-पेमेंट करें

अगर आपको बोनस, टैक्स रिफंड या कोई और अतिरिक्त आय मिलती है, तो उसका यूज करके लोन का कुछ हिस्सा पहले चुकाने में करें। इससे आपका मूलधन कम होगा और ब्याज में भी बचत होगी।

बेहतर क्रेडिट स्कोर बनाएं

अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर बैंक आपको कम ब्याज दर पर लोन देते हैं। इसके लिए समय पर बिल और लोन की किश्तें चुकाएं और साथ ही, क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और कर्ज के जाल से खुल को बचाएं।

बैंक बदलने का भी है ऑप्शन

अगर किसी और बैंक में कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, तो आप अपने लोन को वहां ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सभी शर्तों और चार्जेस की जानकारी जरूर लें।

फ्लोटिंग रेट लोन चुनें

फ्लोटिंग रेट लोन में ब्याज दर बाजार के अनुसार बदलती रहती है। अगर बाजार में ब्याज दरें कम होती हैं, तो आपकी ईएमआई भी कम हो सकती है। हालांकि, इसमें जोखिम भी होता है, क्योंकि दरें बढ़ भी सकती हैं।

ईएमआई अमाउंट बढ़ाएं

अगर आपकी आय बढ़ी है, तो आप अपनी ईएमआई बढ़ाकर लोन जल्दी चुका सकते हैं। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और आप जल्दी कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करें

अगर आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो कुछ सालों में एक अच्छी राशि जमा हो सकती है। इस राशि का उपयोग लोन का प्री-पेमेंट करने में किया जा सकता है, जिससे लोन की अवधि और ब्याज दोनों कम होंगे।

लोन की अवधि कम करें

अगर आप थोड़ी अधिक ईएमआई दे सकते हैं, तो लोन की अवधि कम रखें। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और जल्दी ही कर्ज खत्म हो जाएगा।

होम लोन की विशेषताएं

- लंबी अवधि : होम लोन की अवधि आमतौर पर 10 से 30 वर्षों तक होती है, जिससे आप अपने ऋण को धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।
- सुरक्षा : होम लोन के लिए घर ही सुरक्षा के रूप में कार्य करता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

होम लोन के कुछ फायदे

- घर खरीदने में मदद : होम लोन आपको घर खरीदने में मदद कर सकता है जो आपके लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है।
- लंबी अवधि : होम लोन की लंबी अवधि आपको अपने ऋण को धीरे-धीरे चुकाने में मदद कर सकती है।
- कम ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।

होम लोन के कुछ नुकसान

- ब्याज का भुगतान : होम लोन पर आपको ब्याज का भुगतान करना होता है, जो आपके ऋण की कुल राशि को बढ़ा सकता है।
- जुर्माना : यदि आप अपने ऋण का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।
- घर की जब्ती : यदि आप अपने ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान

बिजनेस साइट मेन

रहेजा ग्रुप के प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा अम्बारा' का हुआ भव्य शुभारंभ

दो दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम का आज अंतिम दिन

रायपुर। रियल एस्टेट की अग्रणी कंपनी रहेजा ग्रुप के नए प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा अम्बारा' का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। पिरदा क्षेत्र में स्थित इस प्रोजेक्ट के दो दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम के पहले दिन ग्राहकों का शानदार रिस्पांस मिला। लोगों ने साइट विजिट कर प्लाट की बुकिंग की। प्लाट की बुकिंग करने वाले ग्राहकों को गोल्ड कॉइन और कई विशेष ऑफर्स का लाभ मिला। 'लिव लाइफ लिमिटलेस' की सोच पर आधारित यह प्रोजेक्ट आधुनिक जीवनशैली, बेहतरीन कनेक्टिविटी और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत समागम है। प्रोजेक्ट में योगा ज़ोन, बच्चों के लिए प्ले एरिया, क्लब हाउस, गार्डन, वॉकिंग ट्रैक और इंडोर स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा, चार भव्य गार्डन्स प्रोजेक्ट के अलग-अलग सेक्टरों में विकसित किए गए हैं, जिससे हर दिशा में हरियाली और सुकून का अनुभव हो सके। रहेजा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय रहेजा ने बताया कि रहेजा अम्बारा को इस सोच के साथ डिज़ाइन किया गया है कि लोगों को 'बेस्ट लोकेशन में बेस्ट प्राइस' मिल सके। यह प्रोजेक्ट सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भविष्य के लिहाज से एक स्मार्ट इनवेस्टमेंट विंकल्प होगा। पिरदा स्थित यह प्रोजेक्ट एयरपोर्ट, नेशनल हाईवे, नया रायपुर, विधानसभा रोड, प्रमुख शिक्षण संस्थानों, मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स और ज़ोरा व मैग्नेटो जैसे मॉल्स से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है। यह प्रोजेक्ट रेरा रजिस्टर्ड है और सभी आवश्यक शासकीय अनुमतियों से स्वीकृत है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

सुविधाएं :
मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें
एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें
मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दाश
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुविधाएं :
पी.एफ.टी.
ब्रांकोस्कोपी
स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विशेष

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस

29 अप्रैल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी

रेणु खंतवाल

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी

रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है

शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है

ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी

दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

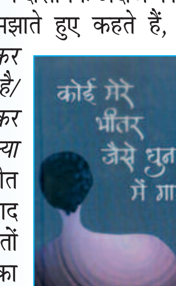

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए, **रचनाकारः** ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

श्रेयस और तुषार की फिल्म 'कपकपी' का टीजर जारी...

मुंबई। अभिनेता श्रेयस तलपड़े काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'कपकपी' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिर में श्रेयस के साथ तुषार कपूर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'गोलमाल 3' और 'गोलमाल रिटर्न्स' के बाद यह श्रेयस और तुषार के बीच तीसरा सहयोग है। अब निर्माताओं ने 'कपकपी' का टीजर जारी कर दिया है, जो हॉरर और कॉमेडी से भरपूर है। हमेशा की तरह श्रेयर और तुषार की अदाकारी को काफी पसंद किया जा रहा है। 'कपकपी' को 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का दर्शक काफी समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'इसकी शुरुआत एक खेल से हुई थी... अब यह उनके साथ खेल रहा है।

लाइफ Style

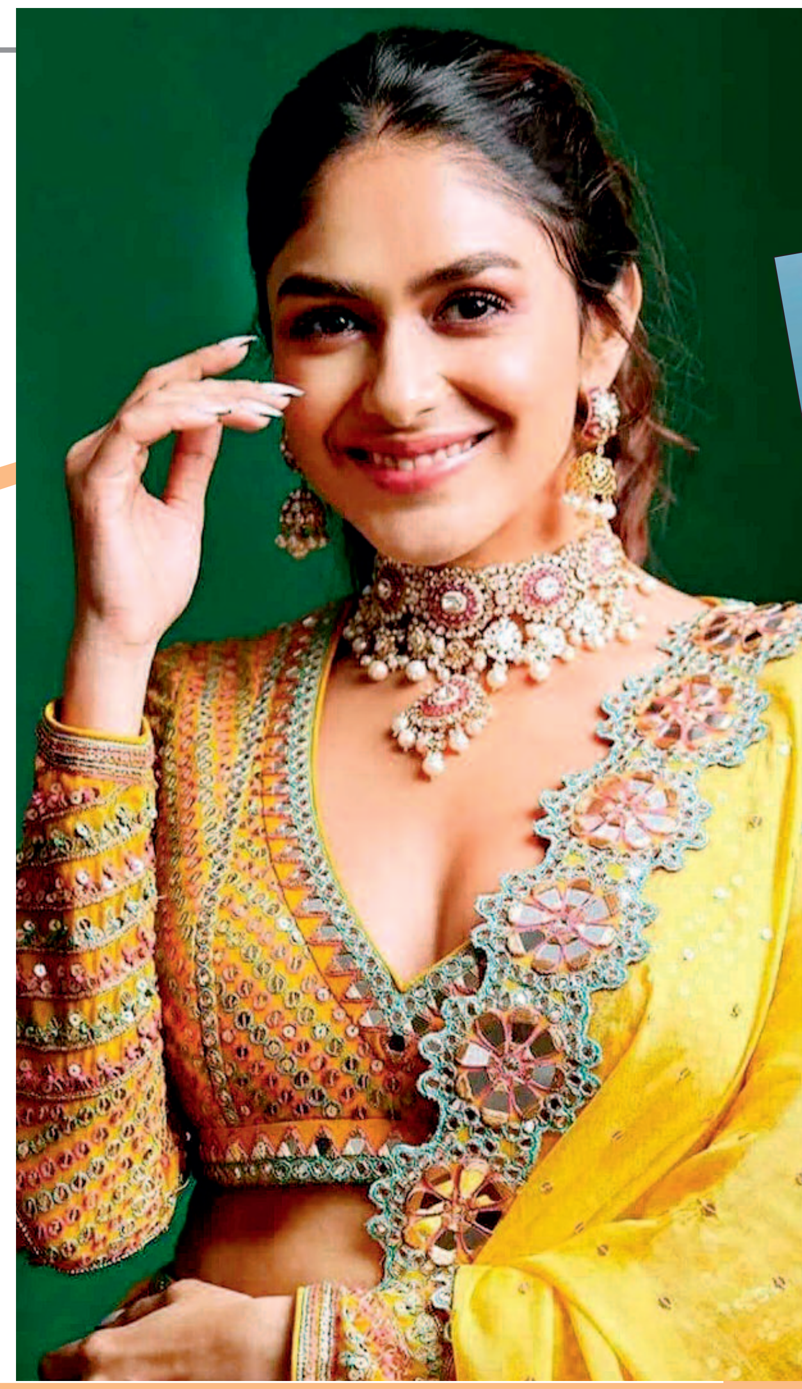

मृणाल
हाथ लगी एटली की 800 करोड़ी फिल्म

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'पुष्पा 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अल्लू अर्जुन ने 'जवान' के निर्देशक एटली के साथ हाथ मिलाया है। इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं और अब खबर है कि फिल्म में अल्लू के साथ मृणाल ठाकुर को साइन कर लिया गया है।

फिल्म में 3 अभिनेत्रियां नजर आएंगी। इनमें में एक के लिए मृणाल के नाम पर निर्माताओं की मोहर लग चुकी है। पीपिंगमून की रिपोर्ट के मुताबिक, मृणाल ने कल मुंबई के एक स्टूडियो में फिल्म की तीन मुख्य अभिनेत्रियों में से एक की भूमिका निभाने के लिए लुक टेस्ट दिया। फिल्म में वह अल्लू के साथ रोमांस करती दिखेंगी। उनका लुक फिल्म में एकदम हटके होगा। उधर अन्य अभिनेत्रियों के लिए दीपिका पादुकोण और जाह्नवी कपूर के नाम पर विचार किया जा रहा है। जाह्नवी फिल्म साइन करने के बेहद करीब हैं, वहीं दीपिका के साथ बातचीत अब भी जारी है।

पूरी हो गई मृणाल की ख्वाहिश : अल्लू-मृणाल दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। इससे पहले अल्लू ने मृणाल की फिल्म 'हाय नाना' को खूब सराहा था और अभिनेत्री के अभिनय पर भी जमकर प्यार लुटाया था। फिल्म देखने के बाद अल्लू न सिर्फ इसकी कहानी, बल्कि इसमें मृणाल के अभिनय और उनके अंदाज के भी मुरीद हो गए थे। उधर एक इंटरव्यू में मृणाल ने कहा था कि वह अल्लू की प्रशंसकों में शुमार हैं और उनके साथ काम करना चाहती हैं।

हॉलीवुड मसाला

पैपराजी से परेशान सिंगर बीबर

लॉस एंजिल्स। रोजाना ही पैपराजी सिंगर जस्टिन बीबर का पीछा करते हैं, उनकी वक्त-बेवक्त तस्वीरें लेते हैं। इस बात से सिंगर जस्टिन बीबर तंग आ चुके हैं। इस बारे में जस्टिन बीबर ने सोशल मीडिया पर अपना पक्ष रखा है। क्या बोले जस्टिन बीबर जानिए? हाल ही में जस्टिन बीबर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें कुछ पैपराजी जबरदस्ती उनकी तस्वीरें ले रहे हैं। फिर पैपराजी को सिंगर की सिक्योरिटी टीम पीछे हटने के लिए कहती है, इसके बावजूद वे लोग मानते नहीं है।

11 जनवरी को होगा 'गोल्डन ग्लोब्स' का आयोजन...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड शो में से एक, गोल्डन ग्लोब्स का 83वां संस्करण 11 जनवरी 2026 को बेवर्ली हिल्टन में आयोजित होगा। आयोजकों ने हाल ही में इसकी घोषणा की। मशहूर कॉमेडियन निक्की ग्लेसर एक बार फिर इस शो की मेजबानी करेंगी। 2025 में निक्की ने गोल्डन ग्लोब्स की पहली सोलो महिला होस्ट बनकर इतिहास रच दिया था। अब वह 2026 में दोबारा यह जिम्मेदारी संभालने के लिए उत्साहित हैं। आयोजकों के अनुसार साल की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों और टीवी शोज के लिए नामांकन की घोषणा 8 दिसंबर 2025 को होगी। वैराइटी की रिपोर्ट के मुताबिक अवॉर्ड्स का पूरा शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा। निक्की ने अपने बयान में मजाकिया अंदाज में कहा, इस साल गोल्डन ग्लोब्स की मेजबानी मेरे करियर का सबसे मजेदार अनुभव था।

प्रभास की होरोइन, बोली मैं पाकिस्तानी नहीं

मुंबई। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद घटना को लेकर देशभर के लोगों में आक्रोश भरा हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रभास की फिल्म 'फौजी' पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल, फिल्म की हीरोइन ईमान इस्माइल हैं, जो पाकिस्तान मिलिट्री अफसर की बेटी हैं। ईमान इस वक्त लोगों के निशाने पर हैं। अब उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी है। 'फौजी' के जरिए ईमान अभिनय की दुनिया में कदम रख रही है। ईमान ने लिखा, 'सबसे पहले मैं पहलगाम में हुई दुखद घटना के लिए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं। मेरा दिल उन सभी लोगों के लिए दुखी है, जिन्होंने अपनी जान और अपनों को खोया।

मिला श्री श्रीरविशंकर का किरदार...

मुंबई। विक्रांत मैसी ने यूं तो छोटे पर्दे से ही घर-घर में अपनी पहचान बना ली थी, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में काफी लंबे वक्त तक खुद को घिसने के बाद विक्रांत ने वो शोहरत हासिल कर ही ली, जो कई लोगों का आज भी सपना है। विक्रांत के अगले प्रोजेक्ट का लोगों को बेसब्री से इंतजार है और अब इस खबर पर पक्की मोहर लग चुकी है कि विक्रांत आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाने जा रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद करेंगे फिल्म का निर्माण फिल्म का नाम 'व्हाइट' है। मोंटू बैसिस को इसके निर्देशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिद्धार्थ आनंद और महावीर जैन ने इस अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर फिल्म के प्रोडक्शन की कमान संभाली है। श्री श्री रविशंकर के जीवन से प्रेरित इस फिल्म में उनकी जीवन यात्रा को दिखाया जाएगा। ज

टीवी मसाला

एक्टिंग का लगा चस्का तो मां ने घर से निकाला, पिता ने की थी बहुत पिटाई...

नई दिल्ली। दिग्गज एक्ट्रेस उषा नाडकर्णी को टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' में सविता देशमुख का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने पर्दे पर अपने किरदारों से फैंस को दिलों को खूब जीता, लेकिन उनका सफल होने का सफर कभी आसान नहीं रहा। हाल ही में उषा नाडकर्णी ने अपने करियर की शुरुआत में संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 18-19 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने का फैसला करने पर उनकी मां ने उन्हें घर से निकाल दिया था। उनके पिता ने उनकी खूब पिटाई की थी।

बहुत पिटाई, 'पवित्र रिश्ता' की एक्ट्रेस का खुलासा : भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर ऊषा नाडकर्णी ने बताया, 'पापा को इतनी प्रॉब्लम नहीं थी, लेकिन मां को अच्छा नहीं लगता था। वो टीचर थीं ना। मां के हिसाब से यह सही नहीं था। प्ले में टाइम नहीं मिलता था, कभी भी आना-जाना लगा रहता था। एक दिन मां ने मेरे सारे कपड़े उठाकर घर के बाहर फेंक दिए और कहा कि कि ड्रामा करना है, तो हमारे घर से निकल जा।

घर छोड़कर चली गई थी उषा नाडकर्णी : ऊषा नाडकर्णी ने आगे बताया कि, 'मैं भी बहुत गुस्से में थी। मैंने अपने सारे कपड़े उठाए ग्रांट रोड ईस्ट गई, वहां से एक बैग खरीदा, कपड़े भरे और मेरी एक सहेली थी, जो मेरे साथ काम करती थी, उसके घर चली गई। फिर पापा मुझे ऑफिस में ढूंढने के लिए आए थे। तब मेरी शादी नहीं हुई थी। मैं 18-19 साल की थी।

पिता को पसंद नहीं था उषा का डांस करना

उषा नंदकर्णी ने अपने टीनएज के दिनों का किस्सा याद किया, जब उन्होंने लता मंगेशकर द्वारा आयोजित गणपति उत्सव के दौरान डांस किया था। ये उत्सव सड़कों पर होते थे और उषा को इनमें हिस्सा लेने में बहुत खुशी मिलती थी, लेकिन उनके पिता को यह बिल्कुल पसंद नहीं था।

उषा को पीटते हुए घर लाए थे पिता

उन्होंने कहा, 'पापा मुझे वहां ढूंढने के लिए पहुंचे और मारते हुए घर लेकर आए थे। उन्होंने मेरी बहुत पिटाई की है। हम दो भाई, दो बहन थे। जब पापा किसी एक को पीटना शुरू करते थे, तो बाकी तीन भाग जाते थे। हाल ही में ऊषा नाडकर्णी ने कुकिंग बेस्ड रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया' पर नजर आई थी।

अरिजीत सिंह बॉलीवुड के सबसे महंगे गायकों में हैं शामिल

मुंबई। भारत के जाने-माने गायक अरिजीत सिंह आज यानी 25 अप्रैल को अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह आज के दौर के सबसे प्रसिद्ध गायकों में से एक हैं। उनकी आवाज का हर कोई दीवाना है। वह जहां कहीं भी परफॉर्म करते हैं, वहां जमकर लोगों की भीड़ जुटती है। अरिजीत बॉलीवुड के सबसे महंगे गायकों में से एक हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं वह एक गाने के लिए कितनी फीस लेते हैं।

अरिजीत की फीस

एक रिपोर्ट के अनुसार, अरिजीत एक गाने के लिए 18 से 20 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं। बड़े बैनर की फिल्मों के लिए उनकी फीस और ज्यादा हो सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो अगर अरिजीत किसी लाइव कॉन्सर्ट में प्रस्तुति देते हैं तो वह आयजकों से 50 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक लेते हैं। उधर, अरिजीत की कुल संपत्ति 414 करोड़ रुपये बताई जाती है।

इस गाने से रातों-रात चमकी किस्मत

अरिजीत ने गायकी जगत में अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में रियलिटी शो 'फेम गुरुकुल' से की थी। अरिजीत अब तक 'फिर मोहब्बत', 'चन्ना मेरेया', 'कबीरा', 'दुआ', 'मुस्कुराने की वजह' और 'सोच न सके' तक कई गानों में अपनी आवाज से लोगों को अपना दीवाना बना चुके हैं, लेकिन 'आशिकी 2' के गाने 'तुम ही हो' ने अरिजीत को रातों-रात स्टार बना दिया था। गाने में उनकी आवाज में लोगों को दर्द और मोहब्बत दोनों महसूस हुई।

ये हैं इमरान हाशमी की सबसे कमाऊ फिल्म...

मुंबई। इमरान हाशमी इन दिनों खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, उनकी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में जो रिलीज हो गई है। फिल्म में इमरान डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म को समीक्षकों की तरफ से हरी झंडी मिली है, वहीं इमरान की अदाकारी ने हमेशा की तरह दर्शक का दिल जीत लिया है। आइए इस कड़ी में हम आपको इमरान की सबसे कमाऊ फिल्म के बारे में बताते हैं।

'द डर्टी पिक्चर' है सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

इमरान की सबसे कमाऊ फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' है, जो 2 दिसंबर, 2011 को रिलीज हुई थी। फिल्म में इमरान के साथ विद्या बालन, नसीरुद्दीन शाह और तुषार कपूर ने काम किया था। मिलन लुथरिया ने फिल्म का निर्देशन किया था। 28 करोड़ रुपये की लागत में बनी 'द डर्टी पिक्टर' ने भारत में 79.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं दुनियाभर में यह फिल्म 116.55 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

बॉक्स ऑफिस पर छापे इतने करोड़

कुछ है फिल्म की कहानी

'द डर्टी पिक्चर' एक बायोपिक फिल्म है। इसकी कहानी 1980 के दशक की दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री सिल्क स्मिता के जीवन से प्रेरित है। फिल्म में सिल्क का किरदार विद्या ने निभाया था। फिल्म की हीरोइन रेश्मा (विद्या) स्टार बनने का सपना लेकर चेन्नई आती है। करियर की शुरुआत में उसे अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है, लेकिन कड़ी मेहनत के बाद वह एक डांसर के रूप में खुद को इंडस्ट्री में स्थापित करती है।

ओटीटी पर सैफ अली खान दर्शकों का मनोरंजन बढ़ाने के लिए तैयार हैं

'ग्राउंड जीरो' से 'ज्वेल थीफ' तक, इस हफ्ते ये आपके मनोरंजन का डोज

***मुंबई।** अप्रैल का यह आखिरी हफ्ता सिनेप्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है, क्योंकि कई ऐसी फिल्में दर्शकों के बीच आ गई हैं, जो पिछले कुछ समय में खूब चर्चा में रहीं और जिनका इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे थे। जहां सिनेमाघरों में इमरान हाशमी और प्रतीक गांधी दर्शकों के बीच अपनी-अपनी फिल्म लेकर हाजिर हो गए हैं, वहीं ओटीटी पर सैफ अली खान दर्शकों का मनोरंजन बढ़ाने के लिए तैयार हैं।*

'फुले': निर्देशक अनंत महादेवन की फिल्म 'फुले' 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में आई है। फिल्म में प्रतीक गांधी, दर्शील सफारी और पत्रलेखा अहम किरदारों में हैं। ये कहानी है महात्मा ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले की। ज्योतिबा फुले ने समाज के खिलाफ जाकर पहले अपनी पत्नी को पढ़ाया और फिर समाज की लड़कियों को पढ़ाना शुरू किया। न सिर्फ इस फिल्म की कहानी, बल्कि इसमें पत्रलेखा और प्रतीक के अभिनय की भी तारीफ हो रही है।

'ग्राउंड जीरो': इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' भी 25 अप्रैल को ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म की कहानी बीएसएफ के अधिकारी नरेंद्र नाथ धर दुबे (इमरान) के जीवन पर आधारित है। यह कहानी 2001 श्रीनगर में सेट की गई है, जहां आतंकी लगातार जवानों को अपनी गोली का शिकार बना रहे हैं। तेजस प्रभा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सई ताम्हणकर ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

'ज्वेल थीफ': सैफ अली खान ओटीटी पर फिल्म 'ज्वेल थीफ' लेकर आ गए हैं। उनकी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को रिलीज हुई है। सैफ के अलावा इस फिल्म में जयदीप अहलावत, अभिनेत्री निकिता दत्ता और कुणाल कपूर नजर आ रहे हैं। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने इस फिल्म का निर्देशन किया है और सुमित अरोड़ा ने फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में चोरी की एक कहानी दिखाई गई है।

'अंदाज अपना अपना': आमिर खान और सलमान खान की फिल्म अंदाज अपना अपना एक बार फिर 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर भी अहम भूमिका में थे।

'क्रेजी' और 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव': अभिनेता सोहम शाह की फिल्म 'क्रेजी' 28 फरवरी को सिनेमाघरों में आई थी, जिसमें उनके काम को तो काफी सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कोई कमाल नहीं कर पाई। अब 'क्रेजी' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है। उधर जोया अख्तर के निर्देशन में बनी दुनियाभर में वाहवाही लूट चुकी फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' भी अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है। आदर्श गौरव और विनित कुमार सिंह इसमें मुख्य भूमिका में हैं।

सबसे महंगा प्लेयर और शर्मनाक प्रदर्शन, पंत ने बरकरार रखी 17 साल पुरानी परंपरा

नई दिल्ली। एक कहावत है 'ऊंची दुकान, फीके पकवान', जो आईपीएल के लगभग सभी सीजन में सटीक बैठती है। लीग में बड़े नाम वाले खिलाड़ी जिनके लिए फ्रेंचाइजी भारी रकम खर्च करती है, लेकिन वे अक्सर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। इंडियन प्रीमियर लीग में जब फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश करती हैं तो इस उम्मीद के साथ करती हैं कि ये खिलाड़ी उनके लिए किस्मत बदलने वाला साबित होगा। इसी कारण लीग के महंगे खिलाड़ियों की राशि में सीजन दर सीजन इजाफा होता रहा है। आईपीएल-2025 में लखनऊ सुपरजायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ में खरीदा और वह लीग के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, लेकिन पंत अब तक फेल रहे। ये नई बात नहीं है। लीग का इतिहास है कि जो सीजन का महंगा खिलाड़ी रहा वो फेल हुआ है।

मिचेल स्टार्क : 2024 : 17 विकेट

मिचेल स्टार्क को कोलकाता ने 24.75 करोड़ में खरीदा था। पिछले सीजन स्टार्क ने 13 मैच खेले थे और 17 विकेट लिए थे।

सैम करन : 2023 : 276 रन

सैम करन आईपीएल 2023 के सबसे महंगे प्लेयर थे। पंजाब किंग्स ने उन पर 18.5 करोड़ रुपए खर्च किए थे। करन ने 14 मैच की 13 पारियों में 276 रन बनाए थे।

ईशान किशन : 2022 : 418 रन

ईशान किशन तब सबसे महंगे प्लेयर थे। मुंबई इंडियंस ने ईशान किशन को 15.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। ईशान ने 15वें सीजन में 14 मैच खेले थे और 418 रन बनाए थे।

क्रिस मॉरिस : 2021 : 15 विकेट

राजस्थान रॉयल्स ने् रिस मॉरिस पर 16.25 करोड़ रुपए खर्च कर दिए थे। 11 मैच में सिर्फ 15 विकेट हासिल किए थे। साथ ही वह 7 पारियों में 67 रन ही बना पाए थे।

पैट कमिंस : 2020 : 12 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज कमिंस को कोलकाता ने 15.5 करोड़ में अपने साथ जोड़ लिया था। 14 मैच में सिर्फ 12 सफलताएं प्राप्त की थीं।

उनादकट : 2019 : 10 विकेट

जयदेव उनादकट (राजस्थान रॉयल्स) और वरुण चक्रवर्ती (किंग्स 11 पंजाब) थे। दोनों को उनकी फ्रेंचाइजी ने 8.4-8.4 करोड़ रुपये में खरीदा था। जयदेव उनादकट ने 11 मैच में सिर्फ 10 विकेट लिए थे। वहीं वरुण ने 1 मैच में 1 ही विकेट लिया था।

ऋषभ पंत
2025
27 करोड़
106 रन

आईपीएल 2025 में अब तक पंत का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने 18वें सीजन में अब तक खेले 9 मैच की 8 पारियों में सिर्फ 106 रन बनाए हैं। इस दौरान वह एक ही अर्धशतक लगा पाए हैं।

बेन स्टोक्स : 2018 : 8 विकेट

राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 12.5 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। 11वें सीजन में स्टोक्स ने 13 मैच खेले थे और सिर्फ 8 विकेट लिए थे।

बेन स्टोक्स : 2017 : 316 रन

राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने बेन को 14.5 करोड़ में खरीदा था। 12 मैच की 11 पारियों में 316 रन बनाए थे। साथ ही 12 विकेट भी अपने नाम किए थे।

शेन वॉटसन : 2016 : 179 रन

बेंगलुरु ने शेन वॉटसन पर 9.5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। वॉटसन ने उस सीजन 16 मैच की 15 पारियों में 179 रन बनाए थे।

युवराज सिंह : 2015 : 248 रन

दिल्ली डेयरडेविल्स ने युवराज को 16 करोड़ रुपए में खरीदा था। 14 मैच खेले थे और 13 पारियों में 248 रन बनाए थे।

युवराज सिंह : 2014 : 376 रन

आरसीबी ने युवी पर 14 करोड़ खर्च किए थे। 14 मैच में 376 रन बनाए थे।

ग्लेन मैक्सवेल : 2013 : 36 रन

ग्लेन मैक्सवेल पर मुंबई इंडियंस ने 6.3 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मैक्सवेल ने 3 मैच की 3 पारियों में 36 रन बनाए थे।

रवींद्र जडेजा : 2012 : 191 रन

चेन्नई सुपर किंग्स ने रवींद्र जडेजा को 12.8 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। 19 मैच खेल 191 रन बनाए थे। 12 विकेट लिए थे।

गौतम गंभीर : 2011 : 378 रन

कोलकाता नाइटराइडर्स ने गौतम गंभीर को 14.9 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। गंभीर ने उस सीजन 15 मैच खेल थे और 15 पारियों में 378 रन बनाए थे। वह चौथे सीजन 16वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे।

शेन बॉन्ड : 2010 : 9 विकेट

शेन बॉन्ड (कोलकाता) और कीरोन पोलार्ड (मुंबई) को उनकी फ्रेंचाइजी ने 4.8-4.8 करोड़ देकर अपने साथ जोड़ा था। शेन बॉन्ड ने 8 मैच में 9 विकेट लिए थे। वहीं पोलार्ड ने 14 मैच में 15 शिकार किए थे।

केविन पीटरसन : 2009 : 93 रन

केविन पीटरसन (आरसीबी) और एंड्रयू फ्लिंटॉफ (सीएसके) को फ्रेंचाइजी ने 9.8-9.8 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पीटरसन ने 6 मैच खेले थे और 93 रन बनाए थे। वहीं फ्लिंटॉफ 3 मैच में 62 रन ही बना सके थे।

महेंद्र सिंह धोनी : 2008 : 414 रन

महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के पहले सीजन के सबसे महंगे प्लेयर थे। 2008 में सीएसके ने उन पर 9.5 करोड़ खर्च किए थे। धोनी ने लीग के डेब्यू सीजन में 414 रन बना दिए थे। वह पहले सीजन 9वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

आईपीएल : नौ मैचों में 11 अंक के साथ चौथे पायदान पर किंग्स

बारिश से धुला मैच, पंजाब-कोलकाता ने बांटे अंक, प्रभसिमरन-प्रियांश की फिफ्टी

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

पंजाब किंग्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के इंडियन प्रीमियर लीग मैच को शनिवार को यहां तेज आंधी और बारिश के कारण रद्द कर दिया। प्रभसिमरन सिंह (83) और प्रियांश आर्य (69) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 72 गेंद में 120 रन की साझेदारी के बूते पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 201 रन बनाए। कोलकाता के अब नौ मैचों में सात अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स के नौ मैचों में 11 अंक के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गया है।

पंजाब की टीम14वें ओवर के बाद एक विकेट पर 158 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने आखिरी छह ओवर में सिर्फ 43 रन पर तीन विकेट लेकर उन्हें 201 रन पर रोक दिया। केकेआर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए एक ओवर में बिना किसी नुकसान के सात रन बना लिए थे तभी रात लगभग 9.35 बजे अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। आंधी इतनी तेज थी कि मैदानकर्मियों को मैदान को कवर्स से ढकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। तेज हवा के कारण कुछ कवर्स फट गए और कुछ उड़कर बाउंड्री और दर्शक दीर्घा की तरफ चले गए। लगातार बारिश के कारण मैच शुरू होने की गुंजाइश नहीं बची और लगभग 90 मिनट के इंतजार के बाद, मौसम में कोई सुधार न होने पर, मैच को आधिकारिक तौर पर रात 10.58 बजे रद्द कर दिया गया। मैच रद्द होने से दोनों टीमों ने एक-एक अंक साझा किया।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का वैभव बो रसेल	69	35	8	4
प्रभसिमरन का पॉवेल बो अरोड़ा	83	49	6	6
श्रेयस अय्यर नाबाद	25	16	1	1
ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती	07	08	1	0
यानसेन का वेंकटेश बो अरोड़ा	03	07	0	0
जोश इंग्लिश नाबाद	11	06	2	0

अतिरिक्त : 03, कुल : 20 ओवर में 201/4
गेंदबाजी : अरोड़ा, 4-0-34-2, सकारिया 3-0-39-0, राणा 2-0-27-0, चक्रवर्ती 4-0-39-1, नारायण 4-0-35-2, रसेल 3-0-27-1.

मुंबई-लखनऊ में आगे निकलने की होड़, मैच आज

मुंबई। हमेशा की तरह शुरू में लड़खड़ाने के बाद शानदार वापसी करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। इन दोनों टीम के अभी तक समान 10 अंक हैं लेकिन मुंबई बेहतर नेट रन रेट के आधार पर चौथे जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर है। अब तक नौ मैचों में से इन दोनों ने पांच मैच जीते हैं और चार हारे हैं। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम की निगाह जीत के अलावा अपने नेट रन रेट में सुधार करने पर भी होगी क्योंकि आगे इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स में रोमांचक मुकाबले की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में भारत के दो धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल तथा आस्ट्रेलिया के दो खतरनाक तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड आकर्षण का केंद्र होंगे। आईपीएल में चीजें तेजी से बदल सकती हैं लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दिल्ली और आरसीबी दोनों के प्ले-ऑफ में पहुंचने की उम्मीद है। फ़िरोज़ शाह कोटला में दो अंक इस संदर्भ में विजेता टीम को महत्वपूर्ण रूप से मदद करेंगे। नौ मैचों में पांच अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली का यह क्रिकेट में घरेलू मैदान रहा है और विरोधी टीम में होने के बावजूद उन्हें यहां दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलने की संभावना है।

शांभवी ने निशानेबाजी में जीते दो स्वर्ण पदक

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

महाराष्ट्र की किशोरी शांभवी क्षीरसागर ने शनिवार को यहां कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप पदक विजेताओं, ओलंपिक फाइनलिस्ट और राष्ट्रीय चैंपियन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

पिछले साल लीमा में जूनियर विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही 16 वर्षीय शांभवी ने 633.5 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने 24 निशाने के फाइनल में अपने आखिरी प्रयास में 10.8 के शॉट के साथ हरियाणा की रमिता को पछाड़ दिया। रमिता पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंची थीं। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष ने कांस्य पदक जीता। शांभवी ने इससे पहले जूनियर महिला स्पर्धा में रजत और युवा महिला प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण जीता।

जोकोविच मैड्रिड ओपन के पहले मैच में अर्नाल्डी से हारे

मैड्रिड। सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन के पहले दौर में इटली के माटियो अर्नाल्डी से हार गए जिससे 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता की रोलां गैरां से पहले क्लेकोर्ट पर संघर्ष जारी है। अर्नाल्डी ने जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराया और उनके करियर का 100वां खिताब जीतने की मुहिम में विलंब किया। यह जोकोविच और 44वीं रैंकिंग के खिलाड़ी अर्नाल्डी के बीच पहली भिड़ंत थी। सैंतीस वर्षीय जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में पिछले साल अगस्त में अपना 99वां खिताब जीता था लेकिन इस सत्र में अभी तक एक भी खिताब नहीं जीत पाए हैं। अर्नाल्डी का सामना दामिर जुमहुर से होगा जिन्होंने सेबेस्टियन बाएज को 1-6, 6-1, 6-2 से मात दी।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री बालाजी गारमेंट सेल

LIMITED TIME OFFER
MEGA SALE

रायपुर के गुरूतेग बहादुर हॉल में लगने वाली है
इस साल की सबसे बड़ी सेल-सिर्फ कुछ दिनों के लिए
देश की चार प्रमुख मैट्रो सिटी के फैक्ट्रीयों का माल ओवर स्टॉक होने के कारण
गुरूतेग बहादुर भवन में सेल लगाई गई है।

जो गारमेंट्स केवल शो-रूम में सप्लाई की जाती है

लेडिज वियर | क्राप टॉप | लॉंग टॉप | मिनी टॉप | नेट टॉप | कोरियन टॉप | लेडिज कुर्ती
जिसकी शो-रूम प्राईज 3000/- से 4000/- है वही नेशनल इंटरनेशनल ब्राण्ड के गारमेंट्स
₹99 & ₹199 में

मेन्स वियर प्रिमियम क्वालिटी गारमेंट्स

ब्राण्डेड शर्ट | डाऊन शोल्डर शर्ट | बैगी पेन्ट | ट्राऊजर | 6 पोकेट वाली कारगो | ब्राण्डेड जीन्स | ब्राण्डेड ट्राऊजर | डाऊन शोल्डर टी-शर्ट
₹99 & ₹699 में

व्हाईट शर्ट
के 50000 पीस का नया स्टॉक आया हुआ है
₹149

FREE PARKING
गुरूतेग बहादुर हॉल
FREE ENTRY
गढ़ कलेवा के पास, राजभवन गेट नं.-3 के सामने, घड़ी चौक, रायपुर
sumit

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	8	6	2	12
बेंगलुरु	9	6	3	12
पंजाब	9	5	3	11
मुंबई	9	5	4	10
लखनऊ	9	5	3	10
कोलकाता	9	3	5	7
हैदराबाद	9	3	6	6
राजस्थान	9	2	7	4
चेन्नई	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

अनुभवी खिलाड़ियों को समर्थन की जरूरत

मुंबई। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को उनके कठिन समय के दौरान कुछ छूट और समर्थन देने की वकालत करने के साथ मैदान के बाहर और अंदर मुश्किल समय का शानदार तरीके से सामना करने के लिए दिग्गज रोहित शर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या की तारीफ की।

शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर और सबालेंका की आसान जीत

एजेंसी ▸▸| मैड्रिड

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने शुरुआती मैचों में आसान जीत हासिल की। ज्वेरेव ने स्थानीय खिलाड़ी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-2, 6-2 से, जबकि सबालेंका ने क्वालीफायर अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। तीसरे दौर में ज्वेरेव का मुकाबला नूनो बोर्गेस या एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका का तीसरे दौर में 28वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस से मुकाबला होगा।

महिला वर्ग में ही अनास्तासिया पोटापोवा ने आठवीं वरीयता प्राप्त किनवेन झेंग को हराया, जबकि 15वीं वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पीटन स्टर्न्स से 6-2, 2-6, 7-5 से हार गईं। छठी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने केटी बोल्टर को 6-1, 6-2 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने ईवा लिस को 6-2, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गईं। पेगुला का अगला मुकाबला मोयुका उचिजिमा से होगा, जिन्होंने ओंस जाबेउर को तीन सेटों में हराया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ ने ब्रिटेन के क्रिस्टोफर ओ'कोनेल को 6-1, 6-4 से और कैस्पर रूड ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-3, 6-4 से हराया।

एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने पक्के किए 43 पदक

अम्मान। भारत के चार और मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर यहां चल रही पहली एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश के लिए 43 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं। भारत ने अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 पदक पक्के कर लिए हैं, जबकि अंडर-17 वर्ग में 18 पदक जीतने तय हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को कम से कम कांस्य पदक मिलता है। अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने अंडर-17 लड़कों के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में क्रमशः फिलीपींस और जॉर्डन के मुक्केबाजों के खिलाफ आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) में जीत हासिल की। लड़कियों के वर्ग में, सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने जॉर्डन की अया अलहसनत पर 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि हिमांशी (70 किग्रा) ने फिलिस्तीन की फराह अबू लैला के खिलाफ आरएससी के साथ पहले ही दौर में अपना मुकाबला समाप्त कर दिया।

महिला क्रिकेट टीम का त्रिकोणीय श्रृंखला कोलंबो में आज से

भारत के युवा खिलाड़ी श्रीलंका को देंगे चुनौती

एजेंसी ▸▸| कोलंबो

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में रविवार को यहां जब श्रीलंका का सामना करने के लिए उतरेगी तो उसकी निगाह तेज गेंदबाज काशवी गौतम सहित युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के जरिए साल के आखिर में घरेलू धरती पर होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी भी शुरू करेगी।

भारत का बल्लेबाजी विभाग अच्छा नजर आता है लेकिन उसे एक अदद गेंदबाजी संयोजन तैयार करने की जरूरत है। भारत की पूर्व अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप विजेता काशवी ने महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाइंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 6.45 की इकॉनमी रेट से नौ मैचों में 11 विकेट लिए। टिटास साधु, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर के चोटों के कारण बाहर हो जाने से भारतीय तेज गेंदबाजी अरुंधति रेड्डी पर निर्भर है, जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर टीम में एकमात्र अन्य मध्यम गति की गेंदबाज हैं।

प्रेमदासा स्टेडियम में धीमी गति के गेंदबाजों का हमेशा बोलबाला रहा है, ऐसे में सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ-साथ मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी के 50 में से 30 ओवर फेंकने की उम्मीद है।

भारतीय बल्लेबाजी मजबूत

भारतीय टीम ने त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले वेस्टइंडीज और आयरलैंड को तीन तीन वनडे मैच में हराया था और वह जीत का यह सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। शैफाली वर्मा को एक बार फिर से नजरअंदाज कर दिया गया है, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देयोल की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आती है। दीप्ति और अमनजोत भी अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं।

स्कूटी से आ रहे हैं,

आपके विधायक रिकेश सेन आपके द्वार

वैशाली नगर विधानसभा में वार्ड चलो अभियान लेकर।

- अब नेता नहीं, सेवक बनकर आ रहे हैं आपके विधायक आपके द्वार।
- आपकी हर समस्या का हल अब होगा तुरंत
- वैशाली नगर विधानसभा के हर गली, मोहल्ले में होगी सीधी सुनवाई।
- **1 मई से हेलमेट बैंक की शुरुआत हो रही है। मात्र ₹1 किराए पर आपको हेलमेट उपलब्ध कराया जाएगा।**

स्थान: नेहरु नगर चौक

शुभारंभ
हो चुका है, 15 अप्रैल से

विनीत – वैशाली नगर विधानसभा विकास समिति

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com